Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबन्द में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 137 | बुधवार, 27 मई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

राष्ट्रपति भवन में पद्म पुरस्कार 2026 का भव्य समारोह, पीएम मोदी की मौजूदगी में दिग्गजों को मिला सम्मान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक नागरिक अलंकरण समारोह में बॉलीवुड अभिनेता धर्मेंद्र और शास्त्रीय संगीतकार एवं वायलिन वादक एन राजम को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया।

कला के क्षेत्र में असाधारण एवं विशिष्ट योगदान के लिए धर्मेंद्र को दिया गया यह पुरस्कार उनकी पत्नी और सांसद हेमा मालिनी ने ग्रहण किया। राजम को भारतीय शास्त्रीय संगीत में उनके अहम योगदान के लिए, खासकर 'गायकी अंग' शैली के माध्यम से वायलिन प्रस्तुति को नया स्वरूप प्रदान करने के लिए दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया।

राजम ने पंडित ओंकारनाथ ठाकुर से संगीत के गुर सीखे थे। मुर्मू ने उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी; चुनौतियों का सामना कर रहे पारंपरिक भारतीय कला 'अवधान' को पुनर्जीवित करने वाले शतावधानी आर गणेश; कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक उदय सुरेश कुमार कोटक; और उदर रोग विशेषज्ञ कल्लीपट्टी रामासामी पलानीस्वामी को पद्म भूषण से सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने विज्ञापन गुरु पीयूष पांडे और पूर्व सांसद विजय कुमार मल्होत्रा को भी मरणोपरांत इस सम्मान से नवाजा। पांडे की पत्नी और मल्होत्रा के बेटे ने सम्मान प्राप्त किया।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भुल्लर, अभिनेता प्रोसेनजीत चटर्जी, पैरा एथलीट प्रवीण कुमार और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के पूर्व महानिदेशक के. विजय कुमार को पद्मश्री से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में हुए इस समारोह की शुरूआत राष्ट्रगीत वंदे मातरम के गायन से हुई, जिसके बाद राष्ट्रगान 'जन गण मन' गाया गया। कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

राष्ट्रपति ने वर्ष 2026 के लिए 131 पद्म पुरस्कार देने की मंजूरी दी है। इनमें पांच पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री शामिल हैं। ये पुरस्कार दो अलग-अलग अलंकरण समारोहों में प्रदान किये जाने हैं।

पद्म पुरस्कारों की घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस के मौके पर की जाती है। ये प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, खेल और सिविल सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रदान किये जाते हैं।

बंगाल की राजनीति में सुवेंदु अधिकारी का मास्टरस्ट्रोक, 5 रुपये में मछली-भात, महिलाओं को 3000 रुपये

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने मंगलवार को कल्याणी में कई कल्याणकारी और नियामक उपायों की घोषणा की, जिनमें शैक्षणिक संस्थानों और मंदिरों के एक किलोमीटर के दायरे में शराब की दुकानों पर प्रतिबंध, महिलाओं के लिए मासिक वित्तीय सहायता योजना और पूरे राज्य में रियायती दरों पर मछली-चावल का भोजन शामिल है। मुख्यमंत्री अधिकारी ने कहा कि स्कूलों, कॉलेजों और मंदिरों के एक किलोमीटर के दायरे में शराब की दुकानें खोलने की अनुमति नहीं होगी। एक अन्य महत्वपूर्ण घोषणा में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 27 मई से 'अन्नपूर्णा योजना' के लिए आवेदन पत्र जारी करना शुरू करेगी, जिसके तहत पात्र महिलाओं को प्रति माह 3,000 रुपये की वित्तीय सहायता मिलेगी। इस योजना से राज्य भर की लाखों महिलाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री अधिकारी ने पूरे बंगाल में रियायती कैंटीन शुरू करने की भी घोषणा की, जहां मछली-चावल का भोजन 5 रुपये में उपलब्ध कराया जाएगा।

ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा संकट, बंगाल की राजनीति में टीएमसी के 100 पार्षदों ने छोड़ा साथ

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पश्चिम बंगाल। कभी शक्तिशाली रही ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस, बंगाल चुनावों में अपनी करारी हार के बाद कमजोर पड़ती नजर आ रही है। लोकसभा सांसद काकोली घोष दस्तीदार जैसे वरिष्ठ नेता खुलकर असंतोष व्यक्त कर रहे हैं, वहीं तृणमूल नियंत्रित नगर निकायों में अशांति के चलते सामूहिक इस्तीफे हो रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में विभिन्न नगरपालिकाओं के लगभग 100 पार्षदों ने इस्तीफा दे दिया है। इस राजनीतिक उथल-पुथल ने भाजपा को उन नगर निकायों में अपनी पकड़ मजबूत करने का अवसर दिया है जो काफी हद तक तृणमूल के नियंत्रण में हैं।

संकट इतना गंभीर हो गया है कि अगले साल होने वाले नगर निगम चुनावों से पहले ही कई नगर निगम बोर्डों को भंग किया जा सकता है। आजतक बांग्ला के अनुसार, ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि ममता के करीबी सहयोगी और कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने इस्तीफा देने की इच्छा जताई है। हालांकि ममता ने हाल ही में पार्षदों से इस्तीफा न देने का आग्रह किया था, लेकिन बंगाल के नगर निकायों में उथल-पुथल के संकेत लगभग हर दिन सामने आ रहे हैं। निस्संदेह, यह तृणमूल के लिए सबसे गंभीर संकट है, जब से ममता ने 1998 में कांग्रेस से अलग होकर पार्टी बनाई थी। पहले के मौकों पर, ममता ने एकजुटता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई थी। लेकिन अब हालात अलग हैं। सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा यह स्पष्ट किए जाने के बाद इस्तीफे की लहर शुरू हुई कि स्थानीय निकायों की पिछली गतिविधियों की गहन जांच की जाएगी और उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी। कुछ नगरपालिकाओं में, टीएमसी पार्षदों ने अपने कार्यालयों में जाना पूरी तरह बंद कर दिया है।

'मुझे ईर्ष्या हुई' विजय की टीवीके को लेकर ऐसा क्यों बोले आंध्र के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

आंध्र प्रदेश। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और अभिनेता-राजनेता पवन कल्याण ने मजाकिया अंदाज में स्वीकार किया कि विजय और उनकी पार्टी, तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके), को तमिलनाडु की राजनीति में तेजी से आगे बढ़ते देखकर उन्हें ईर्ष्या हो रही है। एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए, पवन कल्याण ने विजय की त्वरित राजनीतिक सफलता की तुलना अपनी लंबी और कठिन राजनीतिक यात्रा से की और कहा कि उन्होंने जमीनी स्तर पर संघर्ष करते हुए 15 साल बिताए, जबकि टीवीके ने बहुत कम समय में व्यापक प्रभाव डाला।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब टीवीके के अभूतपूर्व चुनावी प्रदर्शन के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बनने के बाद से विजय लगातार राजनीतिक चचाओं में छाए हुए हैं। अपने भाषण के दौरान, पवन कल्याण ने तमिलनाडु की राजनीति पर बात करते हुए हास्य का पुट डाला। उन्होंने कहा कि उन्होंने तमिलनाडु में राजनीति के तौर-तरीकों को देखा और टीवीके द्वारा आसानी से जनता का ध्यान आकर्षित करने के तरीके को देखकर उन्हें ईर्ष्या हुई।

तमिलनाडु डबल मर्डर पर अन्नामलाई का वार, बोले- विजय सरकार जश्न में डूबी!

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। परिवर्तन और बेहतर शासन के वादों पर सत्ता में आने के कुछ ही हफ्तों बाद, विजय के नेतृत्व वाली सरकार को अपनी पहली बड़ी राजनीतिक और प्रशासनिक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। नाबालिगों से जुड़े दो भयावह अपराधों - मदुरै के मीनाक्षी मंदिर के पास 17 वर्षीय लड़के की हत्या और कोयंबटूर में 10 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार और हत्या - ने तमिलनाडु भर में आक्रोश पैदा कर दिया है और विपक्ष को कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर नए प्रशासन को घेरने का शुरूआती मौका दे दिया है। कई विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेताओं ने सत्तारूढ़ तमिलगा वेट्री कजगम सरकार पर तीखे हमले करते हुए सवाल उठाए हैं कि क्या सरकार अपनी भारी चुनावी जीत के बाद शासन की वास्तविकताओं के लिए तैयार थी।

के. अन्नामलाई ने आरोप लगाया कि सरकार चुनाव के बाद के जश्न में उलझी रही जबकि राज्य भर में गंभीर अपराध होते रहे। हाल की दो घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अपराधी बेखौफ होकर अपराध कर रहे हैं और सरकार ने तत्परता से कार्रवाई करने में विफल रही है।

भाजपा नेता ने हाल के अपराधों को महिलाओं की सुरक्षा संबंधी चिंताओं से भी जोड़ा और तर्क दिया कि सरकार बदलने के बावजूद तमिलनाडु में असुरक्षित माहौल बना हुआ है। यह आलोचना सिर्फ भाजपा तक ही सीमित नहीं रही।

विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने भी विजय पर सीधा हमला करते हुए सवाल उठाया कि क्या नई सरकार के तहत राज्य की कानून-व्यवस्था बिगड़ रही है।

एक तीखे सोशल मीडिया पोस्ट में उदयनिधि ने पूछा कि क्या तमिलनाडु उत्तर प्रदेश जैसा होता जा रहा है? यह तुलना अक्सर दक्षिणी राजनीतिक चचाओं में कानून-व्यवस्था के आधार पर शासन की आलोचना करने के लिए इस्तेमाल की जाती है।

कुलचे में निकला कॉकरोच, सोशल मीडिया पर फोटो वायरल, फूड सेफ्टी विभाग ने भरा सैंपल

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। अगर आप छोले-कुलचे खाने के शौकीन हैं तो यह खबर आपके लिए है। आरडीसी स्थित एक नामी छोले-कुलचे की दुकान पर ग्राहक के कुलचे में कॉकरोच निकलने का मामला सामने आया है। घटना की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया।

क्या है पूरा मामला

आरडीसी में एक मशहूर दुकान पर ग्राहक छोले-कुलचे खाने पहुंचा था। कुलचा तोड़ते ही उसमें मरा हुआ कॉकरोच देखकर उसके होश उड़ गए। ग्राहक ने तुरंत मोबाइल से फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर डाल दी और फूड सेफ्टी विभाग को भी शिकायत कर दी। कुछ ही घंटों में यह फोटो वायरल हो गई और लोगों ने दुकान की साफ-सफाई पर सवाल उठाने शुरू कर दिए।

मौके पर पहुंची टीम

शिकायत मिलते ही फूड सेफ्टी विभाग की टीम दुकान पर पहुंची। जांच के दौरान फूड सेफ्टी अधिकारी आशुतोष ने बताया कि जिस जगह छोले-कुलचे तैयार किए जाते हैं, वहां पास में ही एक पेड़ है। पेड़ के नीचे कीड़े-मकोड़े और गंदगी भी देखने को मिली। किचन में साफ-सफाई का स्तर बेहद खराब था।

पनीर का सैंपल भेजा लैब

जांच के दौरान टीम को दुकान में इस्तेमाल हो रहा पनीर भी संदिग्ध लगा।

अधिकारी आशुतोष ने बताया कि पनीर की क्वालिटी ठीक नहीं लग रही थी। इसलिए मौके से पनीर का सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विभाग की चेतावनी

फूड सेफ्टी अधिकारी ने कहा कि खाने-पीने की चीजों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दुकानदार को नोटिस देकर साफ-सफाई सुधारने के निर्देश दिए गए हैं। लैब रिपोर्ट में गड़बड़ी मिलने पर दुकान का लाइसेंस रद्द करने के साथ भारी जुमार्ना भी लगाया जाएगा। इस घटना के बाद आरडीसी में खाने-पीने की अन्य दुकानों पर भी ग्राहकों ने सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। विभाग ने कहा है कि जल्द ही अभियान चलाकर सभी दुकानों की जांच की जाएगी।

'वेलकम इंडिया न्यूज' ने दिखाया आईना, तो ठेलों पर जांच करने दौड़े अफसर!

वेलकम इंडिया खबर का असर

₹70 की 'स्पेशल प्लेट' में बीमारी का तड़का, आरडीसी में छोले-कुलचे के अंदर निकला मरा हुआ कॉकरोच

...के सबसे पॉश कमर्शियल हब में जनता की सेहत से खिलवाड़, शिकायत करने पर ठेला संचालक हुआ रफूचक्कर

फूड सेफ्टी विभाग का नकारापन: क्या किसी बड़ी त्रासदी का इंतजार है?

गाजियाबाद के आरडीसी में छोले-कुलचे के शौकीनों... जरा ठहरिए....कल वेलकम इंडिया न्यूज ने 70 रुपये की स्पेशल प्लेट में मरे हुए कॉकरोच का जो सच दिखाया था...आज उसका बहुत बड़ा और धमाकेदार असर हुआ है...खबर चलते ही प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया...महीनों से दफ्तरों में कुंभकर्णी नींद सोया गाजियाबाद का फूड सेफ्टी विभाग आज अचानक सड़कों पर उतर आया। अधिकारियों की भारी-भरकम टीम ने आज आरडीसी के तमाम फूड स्टॉल्स और ठेलों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की।

जो अधिकारी कल तक आंखें मूंदे बैठे थे, वो आज खुद एक-एक पतीला खोलकर चेक करते नजर आए...लापरवाह दुकानदारों को मौके पर ही सख्त फटकार लगाई गई...अधिकारियों ने दो टूक कह दिया है...जनता की सेहत से खिलवाड़ अब बर्दाश्त नहीं होगा....ठेले वालों को खाना ढककर रखने और पर्सनल हाइजीन मेंटेन करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं।

स्थानीय जनता ने राहत की सांस लेते हुए कहा.... **'थैंक यू वेलकम इंडिया न्यूज!'** अगर ये खबर नहीं चलती, तो शायद अफसरों की नींद कभी नहीं टूटती...फिलहाल, प्रशासन ने साफ कर दिया है कि ये हंटर आगे भी चलेगा।

संपादक की कलम से

देश में दहेज का दुषण हर साल 7000 बेटियों को निगल जाता है

ललित शर्मा
संपादक

मभारत में दहेज प्रथा के खिलाफ कड़े कानून बनाए गए हैं और उनका कथित रूप से अमल होता है, ऐसे दावे और शोर हम वर्षों से सुनते आए हैं। विवाह प्रथा में दहेज देना, मांगना या लेना–सब कुछ अपराध माना जाता है। फिर भी हाल ही में नोएडा में दहेज की समस्या के चलते दो महिलाओं की जान जाने की घटना सामने आई है। उन्हें दहेज के लिए परेशान किए जाने के आरोप लगाए गए हैं। पंगु कानून अपनी तरह से जांच करते हैं और वर्षों बाद शायद न्याय मिलेगा, लेकिन परिवारों ने अपनी बेटियां खो दी हैं। तविशा शर्मा नाम की 33 वर्षीय युवती अपने ससुराल भोपाल में मृत अवस्था में पाई गई थी। उसके कुछ दिनों बाद ग्रेटर नोएडा के इकोटेक–3 क्षेत्र में दीपिका नागर नाम की 20 वषीर्या युवती ने अपने मकान की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। इन दोनों युवतियों के माता–पिता द्वारा दहेज के लिए प्रताड़ित किए जाने के आरोप लगाए गए हैं। ये दोनों मामले एक बार फिर भारत के कानून की खामियों और समाज के दंभ पर प्रकाश डालते हैं, जहां कथित अत्याधुनिक समय और डिजिटल युग में भी दहेज का दूषण समाप्त नहीं हुआ है। तविशा शर्मा की बात करें तो 12 मई को भोपाल के कटारा हिल्स क्षेत्र में उसके पति समर्थ सिंह के घर पर उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। वे 2024 में डेटिंग ऐप के जरिए एक–दूसरे से मिले थे और दिसंबर में ही उनका विवाह हुआ था। तविशा के भाई मेजर हर्षित शर्मा ने बताया कि काफी समय से उसके ससुराल वाले दहेज के लिए उसे परेशान कर रहे थे। उनका आरोप है कि बारबार तविशा के ससुराल वाले और पति द्वारा दहेज की मांग की जाती थी और उसे प्रताड़ित किया जाता था। उसकी मृत्यु के बाद तविशा और उसकी मां की निजी व्हाट्सऐप चैट सामने आई थी। उसमें उसने लिखा था कि, 'मम्मी, इस घर में मुझे बहुत घुटन होती है।' तविशा के पति और उसकी मां के खिलाफ फिलहाल दहेज मृत्यु की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। दूसरे मामले की बात करें तो दीपिका नागर मात्र 20 वर्ष की युवती थी। उसने 17 मई को अपने घर की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। दीपिका के परिवारजनों ने भी आरोप लगाया था कि पति और ससुराल वालों द्वारा दीपिका को लगातार प्रताड़ित किया जाता था। आत्महत्या से पहले उसने अपने माता–पिता को फोन करके बताया था कि उसके ससुराल वाले उसके साथ मारपीट करते हैं। दीपिका के पिता का आरोप है कि उनकी बेटी ने आत्महत्या नहीं की, बल्कि उसकी हत्या कर दी गई है। उनके अनुसार दीपिका के शरीर पर चोट के निशान भी थे। ऐसा ही एक मामला जनवरी में सामने आया था। उसमें दिल्ली पुलिस की स्वाट टीम की महिला कमांडो की उसके पति द्वारा भयावह हत्या कर दी गई थी। उसके पीछे भी कारण दहेज ही था। अंकुर द्वारा अपनी चार महीने की गर्भवती पत्नी की जघन्य हत्या की गई थी। उसने उसके सिर पर डंबल मारा था, जिसके कारण उसकी मृत्यु हो गई थी। अंकुर ने तो काजल की हत्या के दौरान उसके भाई को फोन करके बताया था कि वह काजल की हत्या कर रहा है। ऐसे जघन्य मामले भारत में हो रहे हैं, फिर भी हम सभ्य समाज और मजबूत कानून की खोखली बातें करते रहते हैं। भारत में हर वर्ष दहेज के अनेक मामले सामने आते रहते हैं। बेंगलुरु में 2024 में दहेज के सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए थे। वह देश के मेट्रो शहरों में सबसे अधिक थे।

परख

उदय किशोर साह

कविता

लुट गई आज भरोसे की संसार
धोखेबाज की सजी मीना बाजार
बेईमानों के चेहरे पे कटु मुस्कान
मुँह पर गाते झूठी वो गुणगान

नकली चेहरे है बहुरूपिये लगाये
असली सूरत घूंघट में वो छुपाये
मिल रही पीतल को सोना सा मान
मूक बन देख रहा है क्यूँ भगवान

मिट रही भरोसे की खुद की जहान
झूठा मक्कार जग में बैठा .बन महान
हीरे की भाव में बिकता .है बेईमान
कैसे जिये जग में अब सज्जन इन्सान

मीठी बोली होठों पे मधुर मुस्कान
कौआ दिखा रहा है कोयल की शान
चेहरे पे लगाये एक नकली पहचान
परख कैसे हो मैं हूँ इसपर हैरान

जनाजा उठ गई भरोसे की साई
सच्चाई की हो रही अब जग हँसाई
ईमान की हो रही आज रूसवाई
कौन है जग में सच्चा किसे कहूँ भाई

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

तेल और टैक्सः दो अजगर ही काफी हैं अन्तमुर्खी सत्ता निगलने को

एन0के0शर्मा
लेखक

सभ्यताओं का पतन हमेशा बाहरी आक्रमणों से नहीं होता–अक्सर वे भीतर ही भीतर सड़ जाती हैं। और इस सड़न की गंध तब तक नहीं आती, जब तक वह असहनीय न हो जाए। आज का दौर भी कुछ ऐसा ही है, जहाँ सत्ता अपने ही बनाए दो अजगरों–तेल और टैक्स–को इस कदर खिला-पिला रही है कि वे अब केवल नागरिकों को ही नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था को निगल जाने की स्थिति में आ चुके हैं। तेल–जो कभी प्रगति का प्रतीक था–आज आम आदमी की सांसों पर बोझ बन चुका है। हर सुबह जब कोई व्यक्ति अपनी गाड़ी स्टार्ट करता है, वह केवल इंजन नहीं चलाता, वह एक अदृश्य कर-यंत्र को सक्रिय करता है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में जो आग लगी है, वह केवल पेट्रोल पंप तक सीमित नहीं रहती; वह खेतों तक जाती है, कारखानों तक जाती है, और अंततः हर घर की रसोई में धधकती है। एक किसान जब ट्रैक्टर चलाता है, तो उसकी लागत बढ़ती है; एक व्यापारी जब माल ढोता है, तो उसका खर्च बढ़ता है; और अंततः उपभोक्ता जब कोई वस्तु खरीदता है, तो वह उस बढ़ी हुई लागत का भार चुपचाप अपने कंधों पर उठा लेता है। यह एक ऐसा दुष्चक्र है, जिसमें हर नागरिक फंसा हुआ है–और विडंबना यह है कि उसे इसका पूरा अहसास भी नहीं होने दिया जाता। उसे केवल यह बताया जाता है कि 'यह वैश्विक परिस्थितियों का असर है,' 'यह विकास के लिए आवश्यक है,' या 'यह अस्थायी है।'

लेकिन यह अस्थायी कब स्थायी बन जाता है, इसका हिसाब कोई नहीं देता। अब बात टैक्स की–जो किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ माना जाता है, वही आज उसकी कमजोरी का कारण बनता जा रहा है। कराधान का उद्देश्य होता है–संसाधनों का न्यायसंगत वितरण और सार्वजनिक सेवाओं का निर्माण। लेकिन जब यही कराधान असीमित और अपारदर्शी हो जाए, तो वह शोषण का उपकरण बन जाता है। आज एक आम नागरिक अपनी आय पर टैक्स देता है, फिर हर खरीद पर टैक्स देता है, फिर सेवाओं पर टैक्स देता है, और अंततः तेल के माध्यम से एक और छिपा हुआ टैक्स चुकाता है। यह केवल दोहरी या तिहरी कराधान नहीं है–यह एक ऐसी आर्थिक भूलभुलैया है, जिसमें नागरिक की मेहनत की कमाई धीरे-धीरे गायब होती जाती है। और सबसे तीखी सच्चाई यह है कि इस पूरी प्रक्रिया को इतने व्यवस्थित और 'कानूनी' तरीके से किया जाता है कि विरोध की आवाजें भी कमजोर पड़ जाती हैं। आंकड़ों, बजटों और योजनाओं की जटिल भाषा में इस शोषण को इस तरह छिपाया जाता है कि आम आदमी को केवल परिणाम दिखता है–महंगाई, कमी, और असुरक्षा। इतिहास के पन्ने गवाह हैं–चाहे वह प्राचीन साम्राज्य हों या आधुनिक राष्ट्र–जब कराधान असंतुलित हुआ और महंगाई बेकाबू हुई, तब सत्ता की नींव हिल गई। यह विद्रोह हमेशा सड़कों पर नहीं दिखता; यह पहले मन में जन्म लेता है। एक चुप्पी, एक आक्रोश, एक अविश्वास–जो धीरे-धीरे समाज की आत्मा को खा जाता है। आज की सबसे खतरनाक स्थिति यही है कि सत्ता इस मौन को अपनी स्वीकृति समझ बैठी है। उसे लगता है कि नागरिक चुप हैं, इसलिए संतुष्ट हैं। लेकिन यह चुप्पी तूफान से पहले की शांति भी हो सकती है। जब व्यक्ति अपने भीतर टूटता है, तो वह बाहर भी व्यवस्था को तोड़ने की क्षमता रखता है। तेल और टैक्स के ये अजगर केवल आर्थिक बोझ नहीं हैं–ये मनोवैज्ञानिक दबाव भी हैं। जब कोई व्यक्ति दिन-रात मेहनत करके भी अपने परिवार की बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं कर पाता, तो उसके भीतर निराशा जन्म लेती है।

यह निराशा केवल व्यक्तिगत नहीं रहती; यह सामाजिक बन जाती है। और जब समाज निराश होता है, तो वह या तो विद्रोह करता है या फिर पूरी तरह निष्क्रिय हो जाता है–दोनों ही स्थितियाँ किसी भी राष्ट्र के लिए घातक हैं। अब सवाल यह नहीं है कि सरकार कितना कमा रही है; सवाल यह है कि नागरिक कितना खो रहा है। सवाल यह नहीं है कि विकास की गति क्या है; सवाल यह है कि उस विकास का लाभ किसे मिल रहा है। यदि विकास केवल आंकड़ों में है और जमीन पर जीवन कठिन होता जा रहा है, तो यह विकास नहीं, एक भ्रम है–एक ऐसा भ्रम जो देर-सबेर टूटेगा ही। सत्ता को यह समझना होगा कि कराधान की भी एक नैतिक सीमा होती है। हर नीति का एक मानवीय पक्ष होता है। यदि नीतियाँ केवल राजस्व बढ़ाने के लिए बनाई जाएंगी और उनमें नागरिक के जीवन की गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जाएगा, तो वे नीतियाँ अंततः विनाश का कारण बनेंगी। यह समय है–रुककर सोचने का, पुनर्मूल्यांकन का, और सबसे महत्वपूर्ण–संतुलन स्थापित करने का। तेल की कीमतों को नियंत्रित करना, कर प्रणाली को सरल और पारदर्शी बनाना, और नागरिकों के जीवन को प्राथमिकता देना–ये केवल सुझाव नहीं हैं, ये अनिवार्य कदम हैं। क्योंकि यदि ऐसा नहीं हुआ, तो यह अजगर केवल नागरिकों को नहीं निगलेंगे–वे उस सत्ता को भी निगल जाएंगे, जिसने उन्हें इतना विशाल और शक्तिशाली बना दिया है। और जब सत्ता स्वयं अपने ही बनाए बोझ के नीचे दबकर गिरती है, तो वह केवल एक सरकार का पतन नहीं होता–वह एक युग का अंत होता है।

दिल्ली में क्वॉड का मंथन आगाज -बैठे चार यार क्या अब रुक जाएगा वार?

किशन भावनानी
लेखक

वैश्विक स्तरपर नई दिल्ली में 26 मई 2026 को संपन्न हुई, क्वॉड विदेश मंत्रियों की बैठक केवल एक कूटनीतिक औपचारिकता नहीं थी,बल्कि तेजी से बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन के बीच चार प्रमुख लोकतांत्रिक शक्तियों, भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का रणनीतिक मंथन थी। ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया में युद्ध और तनाव ने पूरी दुनियाँ की ऊर्जा सुरक्षा,समुद्री व्यापार और सप्लाई चेन को अस्थिर कर दिया है,वहीं हिंद- प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता, समुद्री विस्तारवाद और भू- राजनीतिक प्रतिस्पर्धा ने वैश्विक शक्तियों की चिंताओं को और गहरा कर दिया है। इसी पृष्ठभूमि में दिल्ली में बैठे चार यार केवल बयान देने नहीं, बल्कि भविष्य की विश्व-व्यवस्था के नए समीकरण तय करने के लिए एक मंच पर दिखाई दिए। भारतीय विदेश मंत्री की अध्यक्षता में हुई इस बैठक और संयुक्त प्रेस वार्ता ने स्पष्ट संकेत दिया कि क्वॉड अब केवल एक संवाद मंच नहीं,बल्कि वैश्विक रणनीतिक स्थिरता, समुद्री सुरक्षा, तकनीकी सहयोग और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बचाने वाला प्रभावशाली समूह बन चुका है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव, अमेरिकी सैन्य गतिविधियों, ऊर्जा संकट की आशंकाओं और इंडो-पैसिफिक में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच दिल्ली में हुआ यह मंथन आने वाले समय की वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाला बहुत महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है।

साथियों भारत की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो,ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी की उपस्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया कि क्वॉड देशों के बीच रणनीतिक समन्वय अब पहले से कहीं अधिक मजबूत हो चुका है। यह बैठक ऐसे समय हुई जब पूरी दुनियाँ पश्चिम एशिया की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। ईरान से जुड़े घटनाक्रम, अमेरिकी सैन्य सक्रियता और ऊर्जा आपूर्ति मार्गों पर बढ़ते खतरे ने वैश्विक आर्थिक अस्थिरता की आशंकाओं को बढ़ा दिया है।ऐसे में नई दिल्ली की यह बैठक केवल इंडो-पैसिफिक तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें वैश्विक भू - राजनीतिक चुनौतियों और आर्थिक सुरक्षा के व्यापक पहलुओं पर भी विचार हुआ।भारतीय विदेश मंत्री ने अपने उद्घाटन वक्तव्य में स्पष्ट कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक विकास और स्थिरता का मुख्य इंजन बन चुका है। उन्होंने इस क्षेत्र में स्वतंत्र,खुले और समावेशी वातावरण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार का दबाव,आक्रामकता या एकतरफा शक्ति-प्रदर्शन क्षेत्रीय संतुलन के लिए खतरा है।उन्होंने भरोसेमंद और पारदर्शी साझेदारी को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। उनका यह बयान अप्रत्यक्ष रूप से चीन की आक्रामक नीतियों और विस्तारवादी रणनीति की ओर संकेत माना गया। भारत ने साफ संदेश दिया कि वह इंडो-पैसिफिक में किसी भी प्रकार की अस्थिरता को स्वीकार नहीं करेगा और क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।क्वॉड बैठक का सबसे महत्वपूर्ण पहलू समुद्री सुरक्षा और फ्रीडम ऑफ नेविगेशन पर हुआ व्यापक विचार- विमर्श रहा।हिंद-प्रशांत क्षेत्र विश्व व्यापार का सबसे बड़ा समुद्री मार्ग है, जहां से वैश्विक व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है। दक्षिण चीन सागर से लेकर हिंद महासागर तक बढ़ती सैन्य गतिविधियों और सामरिक प्रतिस्पर्धा ने इन समुद्री मार्गों की सुरक्षा को अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बना दिया है। बैठक में इस बात पर सहमति बनी किअंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों का पालन सुनिश्चित किया जाए और किसी भी देश को एकतरफा तरीके से समुद्री नियंत्रण स्थापित करने की अनुमति न मिले। यह संदेश स्पष्ट रूप से चीन की समुद्री गतिविधियों और उसके बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने की दिशा में सटीकता से देखा जा रहा है।

साथियों,बैठक में वैश्विकसप्लाई चेन की मजबूती पर भी विशेष जोर दिया गया। कोविड महामारी और उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध तथा पश्चिम एशिया संकट ने यह साबित कर दिया कि दुनियाँ किसी एक देश या क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता का जोखिम नहीं उठा सकती। क्वॉड देशों ने महत्वपूर्णखनिजों यानी क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ सप्लाई चेन को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की।आधुनिक तकनीक, इलेक्ट्रिक वाहन, सेमीकंडक्टर और रक्षा उपकरणों के निर्माण में इन खनिजों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अभी तक इन क्षेत्रों में चीन का दबदबा माना जाता रहा है,लेकिन क्वॉड देशों की नई रणनीति का उद्देश्य वैकल्पिक आपूर्ति तंत्र विकसित करना है ताकि सटीकता से किसी एक देश पर निर्भरता कम हो सके।

साथियों, भारत और अमेरिका के बीच क्रिटिकल मिनरल्स सप्लाई चेन को लेकर हुए समझौते को इस बैठक की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। यह समझौता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत तेजी से उभरती हुई विनिर्माण शक्ति बनना चाहता है और इसके लिए उसे सुरक्षित तथा विश्वसनीय संसाधन आपूर्ति की आवश्यकता है। वहीं अमेरिका चीन पर निर्भरता कम करने की वैश्विक रणनीति पर काम कर रहा है।ऐसे में दोनों देशों के बीच यह सहयोग भविष्य में तकनीकी और औद्योगिक साझेदारी को नई ऊंचाई दे सकता है।उभरती हुई प्रौद्योगिकियों और साइबर सुरक्षा पर भी बैठक में व्यापक चर्चा हुई। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, साइबर डिफेंस और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर आज वैश्विक शक्ति संतुलन के नए उपकरण बन चुके हैं। क्वॉड देशों ने इन क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने और सुरक्षित तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर सहमति जताई। विशेष रूप से साइबर अपराध और डिजिटल जासूसी को लेकर साझा चिंता व्यक्त की गई। डिजिटल दुनिया में बढ़ते खतरों को देखते हुए यह सहयोग भविष्य में सामरिक सटिका से महत्व का आधार बन सकता है।

साथियों,आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को दोहराना भी इस बैठक का महत्वपूर्ण संदेश रहा। क्वॉड देशों ने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार का आतंकवाद मानवता और वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा है। भारत लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहा है और इस बार भी उसने आतंकवाद के खिलाफ कठोर वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। यह संदेश केवल क्षेत्रीय सुरक्षा तक सीमित नहीं था, बल्कि उन शक्तियों को भी संकेत था जो अप्रत्यक्ष रूप से आतंकवाद को समर्थन देती हैं।मिडिल ईस्ट यानी पश्चिम एशिया के हालात पर हुई चर्चा ने इस बैठक को और अधिक वैश्विक महत्व प्रदान किया। ईरान से जुड़े तनाव, अमेरिकी सैन्य हमलों और क्षेत्रीय संघर्षों ने वैश्विक तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार मार्गों को प्रभावित करने की आशंका पैदा कर दी है। क्वॉड देशों ने चिंता जताई कि यदि यह संकट और गहराया तो वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। ऊर्जा कीमतों में वृद्धि, सप्लाई चेन में बाधा और आर्थिक अस्थिरता पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकती है। यही कारण है कि दिल्ली बैठक में पश्चिम एशिया के मुद्दे पर विशेष ध्यान दिया गया।

दोबारा लौट रहे लोग लकड़ी की खाट पर

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

एक समय था जब भारतीय घरों, आँगनों, चौपालों और खेतों में लकड़ी की खाट जीवन का अभिन्न हिस्सा हुआ करती थी। सुबह की चाय से लेकर रात की नींद तक, खाट केवल एक फर्नीचर नहीं बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक जीवन का केंद्र थी। लेकिन जैसे-जैसे आधुनिकता का प्रभाव बढ़ा, शहरीकरण ने गति पकड़ी और बाजार में नए-नए प्रकार के बेड, सोफा-कम-बेड तथा महंगे गद्दे आने लगे, खाट धीरे-धीरे घरों से गायब होने लगी। इसे पुरातन, ग्रामीण और पिछड़ेपन का प्रतीक मान लिया गया। परंतु समय का चक्र एक बार फिर घूम रहा है। आज लोग दोबारा लकड़ी की खाट की ओर लौट रहे हैं। यह वापसी केवल एक पारंपरिक वस्तु की वापसी नहीं है, बल्कि जीवन के प्रति बदलती सोच, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और प्रकृति के साथ संतुलन की तलाश का प्रतीक भी है। भारतीय समाज में खाट का इतिहास बहुत पुराना है। इसे चारपाई, मंजी या खटिया जैसे नामों से भी जाना जाता है। लकड़ी के मजबूत ढाँचे और रस्सियों या पट्टियों से बुनी हुई यह संरचना सदियों तक भारतीय जीवन का आधार रही। गाँवों में चौपाल की पहचान खाटों से होती थी। परिवार के बुजुर्ग खाट पर बैठकर निर्णय लेते थे, किसान दिनभर के श्रम के बाद खाट पर विश्राम करते थे और बच्चे उसी पर खेलते-कूदते बड़े होते थे। यह केवल आराम का साधन नहीं थी बल्कि सामाजिक संवाद का मंच भी थी। आज भी ग्रामीण भारत में खाट पर बैठकर होने वाली चर्चाएँ लोकतांत्रिक संवाद की सबसे सहज और स्वाभाविक अभिव्यक्ति मानी जाती हैं। पिछले कुछ दशकों में जीवनशैली में बड़े बदलाव आए। लोगों ने आधुनिक फर्नीचर को प्रगति और समृद्धि का प्रतीक मान लिया। बड़े-बड़े बेड, मोटे गद्दे और आकर्षक डिजाइन वाले फर्नीचर घरों की आवश्यकता बन गए। विज्ञापनों ने भी लोगों को यह विश्वास दिलाया कि आराम केवल महंगे गद्दों और आधुनिक बिस्तरों में ही संभव है। परिणामस्वरूप खाट धीरे-धीरे घरों से बाहर होती चली गई। लेकिन अब जब लोग स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, बढ़ते तनाव और कृत्रिम जीवनशैली के दुष्प्रभावों का सामना कर रहे हैं, तब वे उन पारंपरिक विकल्पों को नए दृष्टिकोण से देखने लगे हैं जिन्हें कभी उन्होंने स्वयं ही त्याग दिया था। लकड़ी की खाट की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण स्वास्थ्य संबंधी लाभ हैं। आधुनिक जीवनशैली में कमर दर्द, गर्दन दर्द और रीढ़ से जुड़ी समस्याएँ तेजी से बढ़ी हैं। बहुत अधिक मुलायम गद्दों पर सोना कई लोगों के लिए असुविधाजनक साबित हुआ है। इसके विपरीत खाट का ढाँचा शरीर को संतुलित सहारा देता है। रस्सियों से बुनी खाट शरीर के भार को समान रूप से वितरित करती है, जिससे रीढ़ पर अनावश्यक दबाव कम पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी अनेक बुजुर्ग वर्षों तक खाट पर सोने के कारण बेहतर शारीरिक स्थिति में दिखाई देते हैं। यद्यपि हर व्यक्ति की स्वास्थ्य आवश्यकताएँ अलग होती हैं, फिर भी खाट को प्राकृतिक और संतुलित विश्राम का साधन माना जाता है। गर्म जलवायु वाले भारत में खाट की उपयोगिता और भी अधिक है। फोम और स्प्रिंग वाले गद्दे अक्सर शरीर की गर्मी को रोक लेते हैं, जिससे गर्मियों में असुविधा बढ़ जाती है। इसके विपरीत खाट के नीचे और ऊपर दोनों ओर से हवा का प्रवाह बना रहता है। यह प्राकृतिक वेंटिलेशन शरीर को ठंडक प्रदान करता है और नींद की गुणवत्ता में सुधार करता है। बिजली की बढ़ती खपत और एयर कंडीशनर पर निर्भरता के इस दौर में खाट का यह गुण विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है। पर्यावरणीय दृष्टि से भी खाट का महत्व बढ़ रहा है। आज दुनिया टिकाऊ विकास और पर्यावरण संरक्षण की बात कर रही है। आधुनिक फर्नीचर उद्योग में प्लास्टिक, सिंथेटिक फोम और रासायनिक पदार्थों का व्यापक उपयोग होता है, जिनका पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके विपरीत लकड़ी और प्राकृतिक रस्सियों से बनी खाट अपेक्षाकृत पर्यावरण-अनुकूल होती है। यह लंबे समय तक चलती है, आसानी से मरम्मत की जा सकती है और इसके अधिकांश हिस्से पुनर्चक्रित या प्राकृतिक रूप से नष्ट हो सकते हैं। ऐसे समय में जब लोग पर्यावरण के प्रति अधिक संवेदनशील हो रहे हैं, खाट उन्हें एक टिकाऊ विकल्प के रूप में दिखाई देने लगी है। खाट की वापसी का एक कारण आर्थिक भी है। महंगे फर्नीचर और ब्रांडेड गद्दों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। दूसरी ओर, स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाई गई खाट अपेक्षाकृत सस्ती और टिकाऊ होती है। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में आज भी खाट कम लागत में उपलब्ध है। यह वर्षों तक उपयोग में आ सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसकी रस्सियाँ बदलकर उसे फिर नया बनाया जा सकता है। इस प्रकार खाट केवल सांस्कृतिक विरासत नहीं बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी व्यवहारिक विकल्प है। दिलचस्प बात यह है कि खाट की वापसी केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। बड़े शहरों में भी लोग इसे नए रूप में अपना रहे हैं। इंटीरियर डिजाइनरों ने पारंपरिक खाट को आधुनिक सौंदर्यबोध के साथ प्रस्तुत करना शुरू किया है। आज कई घरों में खाट को बालकनी, गार्डन, टैरेस या लिविंग स्पेस में सजावटी और उपयोगी वस्तु के रूप में रखा जा रहा है। रिसॉर्ट, कैफे और होमस्टे भी अपने परिसर में खाट का उपयोग कर रहे हैं ताकि ग्राहकों को देसी और पारंपरिक अनुभव मिल सके। यह दिखाता है कि परंपरा और आधुनिकता का मेल किस प्रकार संभव है। सोशल मीडिया ने भी खाट की लोकप्रियता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज 'सस्टेनेबल लिविंग', 'स्लो लाइफ', 'देसी लाइफस्टाइल' और 'रूट्स की ओर वापसी' जैसे विषय युवाओं के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं। लोग अपने घरों और फार्महाउसों में खाट के साथ तस्वीरें साझा करते हैं। अनेक युवा, जो कभी खाट को केवल गाँवों की वस्तु मानते थे, अब उसे जीवनशैली और पहचान का हिस्सा समझने लगे हैं। यह परिवर्तन बताता है कि नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत को नए नजरिए से देख रही है। खाट का सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। भारतीय साहित्य, लोकगीतों और फिल्मों में खाट का उल्लेख बार-बार मिलता है। यह ग्रामीण जीवन, आत्मीयता और सामूहिकता का प्रतीक रही है। जब परिवार के सदस्य एक साथ खाट पर बैठकर बातचीत करते थे, तब संवाद स्वाभाविक रूप से विकसित होता था। आज डिजिटल युग में जहाँ लोग एक ही घर में रहते हुए भी मोबाइल स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं, वहाँ खाट जैसे सामूहिक बैठने के स्थान फिर से सामाजिक निकटता का माध्यम बन सकते हैं। हालाँकि खाट की वापसी का अर्थ यह नहीं है कि आधुनिक फर्नीचर पूरी तरह अप्रासंगिक हो गया है। आधुनिक जीवन की आवश्यकताएँ अलग हैं और कई परिस्थितियों में आधुनिक बेड अधिक सुविधाजनक भी हो सकते हैं। लेकिन खाट की बढ़ती लोकप्रियता यह संकेत अवश्य देती है कि लोग केवल सुविधा नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, पर्यावरण और सांस्कृतिक जुड़ाव को भी महत्व देने लगे हैं।

मेरा युवा भारत, पीलीभीत द्वारा जैव विविधता संरक्षण एवं पारिस्थितिक जागरूकता पर अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। जिला युवा अधिकारी ने बताया कि मेरा युवा भारत, पीलीभीत द्वारा दिनांक 22 मई 2026 से 26 मई 2026 तक 'जैव विविधता संरक्षण एवं पारिस्थितिक जागरूकता' विषय पर एक पांच दिवसीय अनुभव आधारित शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विश्व प्रकृति निधि (वर्ल्ड वाइड फंड नेचर) के समन्वय से किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के महत्व तथा पारिस्थितिक संतुलन के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। कार्यक्रम के दौरान डब्लूडब्लूएफ के वरिष्ठ परियोजना समन्वयक नरेश ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए बताया कि स्वस्थ पर्यावरण के लिए वन एवं वृक्षों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते तापमान, जलवायु परिवर्तन तथा जैव विविधता के क्षरण के कारण पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित हो रहा है।

उन्होंने पीलीभीत की समृद्ध जैव विविधता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह क्षेत्र घासभूमि, वुडलैंड एवं तराई पारिस्थितिकी के कारण विशेष महत्व रखता है तथा यहां अनेक प्रकार की वनस्पतियां एवं पक्षी प्रजातियां पाई जाती हैं।

उन्होंने बताया कि पीलीभीत टाइगर रिजर्व केवल बाघ संरक्षण का केंद्र नहीं है, बल्कि संपूर्ण जैव विविधता के संतुलन का प्रतीक है। घासभूमि प्रबंधन एवं वन संरक्षण के माध्यम से शाकाहारी जीवों तथा वन्यजीवों का संरक्षण संभव हो पाता है, जिससे पारिस्थितिक संतुलन बना रहता है।

उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयंसेवकों द्वारा वृक्षारोपण अभियान चलाया गया, जिसमें मोरिंगा (सहजन) के पौधे लगाए गए। इसके अतिरिक्त अंगूरी देवी विद्यालय में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जहां स्वयंसेवकों ने विद्यार्थियों को जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन एवं वृक्षों के महत्व के विषय में जानकारी प्रदान की। साथ ही सिद्ध बाबा मंदिर मेले में मेरा युवा भारत के स्वयंसेवकों द्वारा जनजागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें आमजन को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं जैव विविधता के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

हापुड़ जिले को रेक पॉइंट पर के. एफ. एल. की 1140 मी. टन यूरिया प्राप्त

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के कृषकों को वर्तमान खरीफ सीजन में यूरिया की पर्याप्त सुलभ उपलब्धता बनाये रखने के लिए जिलाधिकारी हापुड़ के निदेशों में इस यूरिया आपूर्ति के लिए लखनऊ मुख्यालय में विगत कई दिनों से संपर्क किया जा रहा था। आज इस यूरिया की आपूर्ति होने पर रेक पॉइंट पर जिला कृषि अधिकारी के द्वारा निरीक्षण किया गया।

इस यूरिया आपूर्ति को मिला कर आज जनपद में 7720 मी टन यूरिया (लगभग एक लाख 71 हजार बैग्स) और लगभग 3170 मी टन डी. ए. पी. (लगभग 63 हजार बैग्स) उपलब्ध हैं, जोकि वर्तमान खरीफ मौसम के लिए पर्याप्त है।

कृषि मंत्री जी, उ. प्र. सरकार के द्वारा नियमित अंतराल पर खाद उपलब्धता की समीक्षा की जाती है और जनपद की मांग के अनुसार विभाग के द्वारा नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जिले में जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के द्वारा प्रतिदिन खाद उपलब्धता की समीक्षा की जा रही है और किसी भी दशा में खाद की कालाबाजारी, ओवर रेटिंग और टैगिंग नहीं होने दी जाएगी।

उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने को लेकर गढ़मुक्तेश्वर तहसील क्षेत्र में निरीक्षण, किसानों को सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में इस दौरान एक उर्वरक विक्रेता जिसे पूर्व में ही यूरिया स्टॉक के सत्यापन का नोटिस दिया गया था, के द्वारा सत्यापन से ठीक पहले बिक्री परिसर बंद कर के वहां रखे यूरिया एवं अन्य उर्वरकों का सत्यापन करने से रोका गया। इस खाद विक्रेता को विगत सप्ताह ही चम्बल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड द्वारा यूरिया की आपूर्ति की गयी थी। ऑनलाइन पोर्टल के अनुसार आज इस विक्रेता के पास 29.52 मी. टन यूरिया उपलब्ध था, नियमानुसार जिसका भौतिक सत्यापन किया जाना था। अनेक बार फोन और whatsapp पर सूचना देने के उपरांत भी इस विक्रेता द्वारा उपलब्ध यूरिया का सत्यापन नहीं कराया गया, जोकि यूरिया की संदिग्ध कालाबाजारी की सम्भावना है। FCO 1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत विधिक कार्यवाही करते हुए इस खाद बिक्री परिसर को सील कर दिया गया है एवं अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

दबंगों ने महिला को रास्ते में घेरा, मारपीट कर स्कूटी तोड़ी और मोबाइल छीना

लुकमान खान

पीलीभीत/जहानाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम सेमर खेड़ा की रहने वाली एक महिला पर पुराने मुकदमे में समझौता करने का दबाव बनाते हुए दबंगों द्वारा रास्ते में रोककर गाली-गलौज, मारपीट और लूटपाट करने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता ने इस संबंध में थाना प्रभारी को शिकायती पत्र देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।पीड़िता प्रियंका पत्नी धर्मेन्द्र ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि दिनांक 22 मई 2026 को दोपहर करीब 12:30 बजे वह अपने किसी जरूरी काम से जहानाबाद जा रही थीं। इसी दौरान रास्ते में जाकिर हुसैन, साकिर हुसैन (पुत्रगण अहमद बख्श), शहादत हुसैन, जाबिर हुसैन, आजाद हुसैन, महविश (पुत्री शहादत हुसैन) और उनके साथ ताहिरा बेगम, फरजाना व रुखसार सहित कई लोगों ने उन्हें जबरन रोक लिया।शिकायत के मुताबिक, आरोपियों ने महिला पर पहले से चल रहे एक मुकदमे में जबरन समझौता करने का दबाव बनाया। जब पीड़िता ने समझौता करने से साफ इनकार कर दिया, तो आरोपी आक्रोशित हो गए।

आरोप है कि सभी ने एक राय होकर पीड़िता को जातिसूचक शब्द कहे, भद्दी-भद्दी गालियां दीं और जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट शुरू कर दी।

पीड़िता का आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने उनका मोबाइल फोन छीन लिया और उनकी स्कूटी में तोड़फोड़ की, जिससे करीब 50,000 का नुकसान हुआ है। इसके अलावा, जाकिर हुसैन और ताहिर हुसैन नाम के आरोपियों ने उनके कान की सोने की बाली भी नोच ली, जिससे उनके कान से खून बहने लगा।तहरीर में आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने पीड़िता की गर्दन दबाकर उन्हें जान से मारने की कोशिश की, जिससे वह मौके पर ही बेहोश हो गईं। राहगीरों की मदद से उन्हें संभाला गया। पीड़िता ने डायल 112 पुलिस को भी फोन किया, लेकिन मौके पर कोई कार्रवाई नहीं होने पर वह किसी तरह पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए निकलीं। रास्ते में कचहरी चौराहे पर तबीयत ज्यादा बिगड़ने के कारण वह बेहोश होकर गिर गईं, जिसके बाद स्थानीय पुलिस ने उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल पीलीभीत में भर्ती कराया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है।पीड़िता प्रियंका ने थाना प्रभारी जहानाबाद से आरोपियों के खिलाफ तत्काल रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

विशेष जनगणना के लिए अभियान जरूरी दिशा निर्देश जारी

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। निदेशक एवं मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी, जनगणना भवन लखनऊ के प्रेषण 07 की रणनीतियों के माध्यम से जनगणना 2027 का कार्य दो चरणों में पूर्ण कराया जाना है।

वर्तमान में जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य दिनांक 22 मई 2026 से 20 जून 2026 तक पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है। उक्त कार्य हेतु जिला सूचना विज्ञान अधिकारी/अपर जिला जनगणन अधिकारी मेराज हुसैन ने अवगत कराया कि जनपद के समस्त 15 चार्जों में नियुक्त प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को आवंटित एच0एल0बी0 क्षेत्र में भ्रमण के समय आ रही समस्याओं के दृष्टिगत ग्राम पंचायतों में तैनात पंचायत सहायकों को जनगणना कार्य करने में प्रत्येक तहसील/ब्लाक के अन्तर्गत ग्राम पंचायत में नियुक्त प्रगणकों व सुपरवाइजरों के सहयोग हेतु नामित किया जाना है।

उक्त कार्य हेतु जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित गया है कि जनपद की समस्त ग्राम पंचायतों में नियुक्त प्रगणक एवं सुपरवाइजर की जनगणना कार्यों में सहयोग करने हेतु अपने स्तर से पंचायत सहायकों को जनगणना कार्य समापन तक नामित करना सुनिश्चित किया जाये।

जिससे उपरोक्त कार्य समयबद्ध पूर्ण कराया जा सकें। इस कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगी।

आगामी ईद-उल-अजहा पर्व को सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने को पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। आगामी ईद-उल-अजहा पर्व के दृष्टिगत जनपद में शान्ति एवं कानून-व्यवस्था बनाये रखने हेतु गांधी सभागार, पीलीभीत में जिलाधिकारी पीलीभीत ज्ञानेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक पीलीभीत सुकीर्ति माधव द्वारा जनपद के धर्मगुरुओं, जनप्रतिनिधियों एवं संभ्रांत नागरिकों के साथ जिला स्तरीय पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गयी।

बैठक के दौरान अधिकारियों द्वारा स्पष्ट निर्देश दिये गये कि सभी पर्व एवं धार्मिक कार्यक्रम शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों, निर्धारित मानकों एवं पूर्व से चली आ रही परम्पराओं के अनुरूप ही सम्पन्न किये जायेंगे। किसी भी प्रकार की नई परम्परा की अनुमति नहीं दी जायेगी।

बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि किसी भी दशा में प्रतिबंधित पशु का कटान नहीं किया जायेगा तथा खुले स्थानों/सार्वजनिक स्थलों पर कुबार्नी पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। कुबार्नी केवल निर्धारित एवं परम्परागत स्थानों पर ही की जायेगी।

सार्वजनिक मार्गों, सड़कों एवं यातायात प्रभावित करने वाले स्थानों पर नमाज अदा करना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। सभी उपस्थित लोगों को अवगत कराया गया कि सोशल मीडिया अथवा अन्य माध्यमों से किसी प्रकार की भ्रामक सूचना, अफवाह अथवा आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। साथ ही शान्ति एवं कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाले व्यक्तियों पर सतर्क दृष्टि रखते हुए प्रभावी कार्यवाही की जायेगी। शासन के निर्देशों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

लेंटर खोलते समय अचानक बीम टूटा, मालबे में दबे मजदूर, एक कि मौत अन्य गंभीर रूप से घायल

लुकमान खान

पीलीभीत/बीसलपुर(वेलकम इंडिया)। मंगलवार सुबह एक नवनिर्मित मकान का लेंटर खोलते समय अचानक बीम टूट गई। देखते ही देखते दीवार और बीम का भारी मलबा मजदूरों पर आ गिरा। हादसे में एक वृद्ध मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, और तीन अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़ पड़े और आनन-फानन में घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।बीसलपुर के मोहल्ला दुर्गा प्रसाद स्थित आंबेडकर कॉलोनी में मंगलवार को मजदूरों द्वारा मकान का लेंटर खोलने का काम चल रहा था। लेंटर खोलने के दौरान अचानक बीम टूट गई और पूरा संतुलन बिगड़ गया। हादसा इतना तेज था कि मजदूर संभल भी नहीं सके और मलबे में दब गए।मौके पर भगदड़ जैसे हालात बन गए। हादसे में पटेल नगर निवासी 65 वर्षीय रामचंद्र लाल गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां मौजूद डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद इलाके में काफी देर तक लोगों की भीड़ जुटी रही। इस हादसे में पटेल नगर निवासी बुद्ध सेन, मोहल्ला दुर्गा प्रसाद निवासी बृजपाल कश्यप और बौनी गांव निवासी वीरेंद्र कुमार भी घायल हो गए। सभी मजदूर लेंटर खोलने का काम कर रहे थे। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों की हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

कुरबानी करते वक्त ना तस्वीर ले और ना ही सोशल मीडिया में डालें-मौलाना मुफ्ती आसिफ रजा तहसीनी

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। बीसलपुर में हुजूर कायदे मिल्लत के खलीफा हजरत अल्लामा मौलाना मुफ्ती आसिफ रजा.तहसीनी बीसलपुरी ने कुरबानी से मुताल्लिक अपने जारी बयान में फरमाया कि आने वाले जुमरात, जुमा और शनिचर को कुरबानी की जायेगी कुरबानी हर साहिबे निसाब पे वाजिब है कुरबानी के दिनों में रब की बारगाह में कुरबानी से बेहतर कोई दूसरा अमल मेहबूब नहीं है ।लिहाजा खुश दिली के साथ कुरबानी करें कोशिश करें कि कुरबानी का जानवर कीमती तंदरुस्त व तवाना हो, कुछ लोग कहते हैं कि कुरबानी न करके उतने ही पैसे गरीबों में सदका कर दिया जाए ये सरासर गलत है। आप अपनी रकम खाश से खूब सदका करें मगर कुरबानी जो एक वाजिब हुक्म है इसको मुकम्मल खुश दिली के साथ करें कि रब के नजदीक अईय्याम ए नहर में कुरबानी से बढ़ कर कोई दूसरा अमल मेहबूब नहीं। उन्होंने फरमाया की कुरबानी रजा ए इलाही और हुसूल ए सवाब के लिए करें, दिखावे से परहेज करें, शिरकत वाली कुरबानी में अगर कोई माल हराम के जरिये या फिर कोई बद अकीदा शामिल होता है तो किसी की कुरबानी दुरुस्त न होगी, लिहाजा शिरकत वाली कुरबानी में खूब अच्छी तरह देख समझलें खुले में कुरबानी न करें बल्कि बंद जगह पर या फिर पर्दा लगाकर करें। कुरबानी के जानवर से निकलने वाली फालतू चीजों और खून को जमीन में दफन कर दें नालियों या सड़कों में न बहाएं और कुरबानी के तस्वीर सोशल मीडिया बगैरह में हरगिज न डालें मुकम्मल एहतियात रखें कि किसी तरह बदअमनी न फैलने पाए उन्होंने अपने बयान में फरमाया की घर मे जितने लोग मालिके निसाब हों उन सब की तरफ से अलग-अलग कुरबानी करनी होगी एक कुरबानी सब के लिए काफी नहीं रहेगी कुबार्नी बड़े ही अदबो एहतराम के साथ मनाएं।

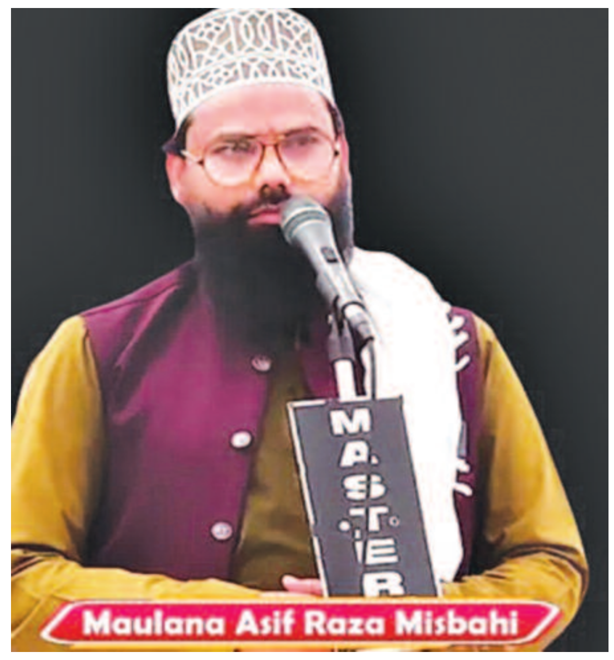

भूटान में विश्व शांति सम्मेलन सम्पन्न, 21 अंतरराष्ट्रीय विभूतियां सम्मानित

विश्व शांति, मानवता एवं वैश्विक सद्भाव को समर्पित रहा आयोजन

डॉ. शंभु पंवार

नई दिल्ली(वेलकम इंडिया)। भूटान की राजधानी थिम्फू में 'बुद्धा इंटरनेशनल प्राइड अवॉर्ड 2026 एवं अंतरराष्ट्रीय शांति सम्मेलन' का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। विश्व शांति, मानवता, सर्वधर्म सद्भाव एवं देवनागरी उत्थान को समर्पित इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत, अमेरिका, बांग्लादेश एवं श्रीलंका सहित विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों एवं संस्थाओं ने सहभागिता निभाई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भूटान नन्स फाउंडेशन की कार्यकारी निदेशक डॉ. ताशी जांगमो रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जीवीसी एवं बीडब्ल्यूए के संस्थापक तथा जेडीएन ग्रुप ऑफ बिजनेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जैक्सन दुकपा रहे।एवं अध्यक्षता धरा धाम इंटरनेशनल के प्रमुख, एवं मानद कुलपति सौहार्द शिरोमणि संत डॉ. सौरभ पाण्डेय ने की। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस विशेष समारोह में विभिन्न देशों की 21 विशिष्ट विभूतियों को शांति स्थापना,शिक्षा, संस्कृति, सामाजिक सेवा, स्वास्थ्य,महिला सशक्तिकरण, देवनागरी संवर्धन एवं वैश्विक भाईचारे के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 'बुद्धा इंटरनेशनल प्राइड अवॉर्ड 2026' से सम्मानित किया गया। इस आयोजन का संयुक्त संचालन भारत की देवनागरी उत्थान फाउंडेशन एवं धरा धाम इंटरनेशनल, अमेरिका के पंडित तिलक राज शर्मा स्मृति ट्रस्ट, बांग्लादेश के द डेली ग्लोबल नेशन तथा श्रीलंका की सहयोगी संस्थाओं के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम से एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स एशिया भी जुड़ा रहा।

सम्मेलन के दौरान विश्व शांति, मानवीय मूल्यों, अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं वैश्विक भाईचारे को लेकर विशेष संवाद एवं विचार-विमर्श आयोजित किए गए। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में शांति, सहिष्णुता और सांस्कृतिक समन्वय की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है। कार्यक्रम को सफल बनाने में भूटान के जैक्सन दुकपा, कुएंगा थिनले एवं गेदेन दोरजी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर डॉ. पूजा शैलेंद्र निगम, डॉ. देवेंद्र कुमार पाठक, डॉ. के. वी. एन. लक्ष्मी तायारू, डॉ. आराधना वर्मा, अनुपमा शर्मा, डॉ. शशि रानी सिंह, डॉ. माधुरी मिश्रा, डॉ. तुहिना प्रकाश शर्मा, जिया उल हक एवं डॉ. पी. यन. पाण्डेय सहित विभिन्न देशों एवं क्षेत्रों की प्रतिष्ठित विभूतियों को सम्मानित किया गया। समारोह में स्वास्थ्य एवं पोषण विशेषज्ञ गेदेन दोरजी तथा समाजसेवी एवं विधिक सहायता विशेषज्ञ कुएंगा थिनले को भी विशेष अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया।

जगह -जगह विशाल भंडारे का आयोजन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

लखनऊ। माल में व्यापारियों द्वारा व मसीढा में पत्रकार विजय शुक्ला द्वारा ज्येष्ठ माह के चौथे बड़े मंगल पर मंगलवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।हजारों की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। यह आयोजन हनुमान जी की वंदना के साथ शुरू हुआ।पूजन के उपरांत, सर्वप्रथम प्रभु को भोग लगाया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए पूड़ी और सब्जी का प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया। इस दौरान पीने के लिए ठंडा पानी भी उपलब्ध कराया गया था।भंडारे में आसपास के क्षेत्रों से भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और प्रसाद ग्रहण किया। इसी क्रम में माल के विभिन्न इलाकों में भी बड़े मंगल के अवसर पर भंडारे आयोजित किए गए।क्षेत्र में श्रद्धा का माहौल रहा। जगह-जगह भंडारों का आयोजन किया गया। इन भंडारों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और हनुमान जी का आशीर्वाद लिया।

वहीं माल में व्यापारियों द्वारा आयोजित भंडारे में पत्रकार सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया। जिसमें पत्रकारों को हनुमान जी महाराज की प्रतिमा व अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके पर डॉ आंनद कुमार सिंह, गोपाल गुप्ता, गुड्डू द्विवेदी, आशुतोष चौरसिया, उत्तम त्रिपाठी शुभम गुप्ता, महिपाल यादव, राजेश रस्तोगी, शोभित सोनी, योगेंद्र तिवारी, मो स्माइल, सन्तोष गुप्ता, दिनेश सिंह मामा सहित समस्त व्यापारी गण मौजूद रहें।

एलएलबी एवं बीएड परीक्षाओं के शुभारंभ के बीच बीएसए कॉलेज में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक

परीक्षा गोपनीयता को लेकर प्रशासन सख्त

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। डॉ० भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा बीएसए (पीजी) कॉलेज, मथुरा को एलएलबी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष, बीएएलएलबी प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम वर्ष तथा बीएड प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की विश्वविद्यालयीय परीक्षाओं हेतु नोडल परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इन परीक्षाओं में बीएसए कॉलेज के छात्र-छात्राओं के साथ ही लगभग 10 अन्य महाविद्यालयों के विद्यार्थी भी सम्मिलित हो रहे हैं, जिसके चलते महाविद्यालय में व्यापक एवं संवेदनशील परीक्षा व्यवस्थाएं संचालित की जा रही हैं। प्रतिदिन लगभग सात हजार छात्र -छात्राएं महाविद्यालय में परीक्षा दे रहे हैं।

महाविद्यालय प्रशासन के अनुसार एलएलबी, बीएड एवं अन्य विश्वविद्यालयीय परीक्षाओं का शुभारंभ 25 मई से हो चुका है, जो जून माह तक संचालित रहेंगी, जबकि इग्नू की परीक्षाएं जून एवं जुलाई माह तक आयोजित की जानी हैं। इग्नू एक केंद्रीय विश्वविद्यालय से संबंधित परीक्षा प्रणाली होने के कारण गोपनीयता एवं सुरक्षा के विशेष मानक लागू किए गए हैं। महाविद्यालय परिसर में परीक्षा संबंधी गोपनीय सामग्री, उत्तर पुस्तिकाएं, संवेदनशील अभिलेख एवं विश्वविद्यालय से प्राप्त होने वाले प्रश्नपत्रों सहित विभिन्न परीक्षा सामग्री सुरक्षित रखी गई है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार प्रश्नपत्रों एवं उत्तर पुस्तिकाओं के आगमन, संरक्षण एवं प्रेषण की प्रक्रिया पूर्णतः गोपनीय होती है, जिसके संबंध में सुरक्षा कारणों से सार्वजनिक रूप से कोई जानकारी साझा नहीं की जाती। इसी को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय प्रशासन ने 27 एवं 28 मई को विशेष प्रशासनिक व्यवस्था लागू करते हुए स्पष्ट किया है कि अवकाश अवधि में केवल परीक्षा कार्य से जुड़े अधिकृत शिक्षक एवं कर्मचारियों को ही आवश्यकता अनुसार परिसर में प्रवेश की अनुमति होगी। किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। परीक्षाओं के नोडल प्रभारी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० ललित मोहन शर्मा ने स्पष्ट किया है कि विश्वविद्यालय अधिनियम, शासनादेश, परीक्षा नियमावली अथवा प्रशासनिक व्यवस्थाओं के विपरीत किसी भी प्रकार की गतिविधि, हस्तक्षेप, दबाव अथवा अवरोध उत्पन्न करने का प्रयास किए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सक्षम प्राधिकारी को अवगत कराते हुए वैधानिक एवं दंडात्मक कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी। सूत्रों के अनुसार हाल के दिनों में महाविद्यालय परिसर में बाहरी हस्तक्षेप एवं विवादास्पद गतिविधियों की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने यह सख्त कदम उठाया है। कॉलेज प्रशासन का कहना है कि परीक्षा की गोपनीयता, विश्वविद्यालयीय दायित्व एवं छात्रों के हित सर्वोच्च प्राथमिकता हैं और किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा।

नरहौली गांव बना सियासी और सामाजिक जंग का अखाड़ा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। नरहौली गांव में दो पक्षों के बीच हुआ झगड़ा अब एक बड़े आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। जैसे ही आगरा समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन नरहौली पहुंचे, वैसे ही इलाके में हलचल तेज हो गई। इस दौरे के बाद क्षत्रिय करणी सेना भी पूरी तरह से एक्टिव मोड में आ गई है। क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत के निर्देश पर संगठन की पूरी टीम नरहौली गांव पहुंची। राष्ट्रीय अध्यक्ष के सेक्रेटरी जीतू शर्मा, आगरा मंडल अध्यक्ष गोविंदा राघव, मथुरा जिला अध्यक्ष ठाकुर विजयपाल सिंह, जिला प्रवक्ता विष्णु राठौड़ और जिला मीडिया प्रभारी राहुल राजपूत समेत दर्जनों वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने गांव का दौरा किया। करणी सेना के पदाधिकारियों ने झगड़े में गंभीर रूप से घायल हुई बुजुर्ग महिला और उनके परिवार से मुलाकात की और उन्हें साफ लफ्जों में हर संभव मदद का भरोसा दिया। नरहौली की धरती से क्षत्रिय करणी सेना के नेताओं ने सीधे तौर पर समाजवादी पार्टी के प्रमुख और सांसद चंद्रशेखर रावण को चेतावनी दी है। क्षत्रिय करणी सेना के आगरा मंडल अध्यक्ष गोविंदा राघव और जिला अध्यक्ष ठाकुर विजयपाल सिंह ने चंद्रशेखर रावण को दोटूक चेतावनी देते हुए माहौल को और गरमा दिया है। करणी सेना का आरोप है कि इस मामले को राजनीतिक और जातीय रंग देने की कोशिश की जा रही है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एक तरफ सपा और भीम आर्मी की नजर इस मामले पर है, तो दूसरी तरफ क्षत्रिय करणी सेना ने गांव में डेरा डाल दिया है। दोनों पक्षों के बड़े चेहरों और संगठनों की एंट्री के बाद नरहौली गांव में तनाव चरम पर है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस सुलगते हुए विवाद को शांत कराने के लिए क्या कदम उठाता है।

केशीघाट पर बड़ा हादसा टला, नाविकों ने यमुना में डूब रहे छह श्रद्धालुओं की बचाई जान

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/वृंदावन। धर्मनगरी वृन्दावन के प्रसिद्ध केशीघाट पर मंगलवार को यमुना स्नान के दौरान बड़ा हादसा होते-होते टल गया। राजस्थान के जोधपुर से आए दो श्रद्धालु स्नान करते समय अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। श्रद्धालुओं को डूबता देख वहां मौजूद नाविक तुरंत हरकत में आए और सूझबूझ का परिचय देते हुए दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। नाविकों की तत्परता से एक बड़ी अनहोनी टल गई। बताया गया कि नगर निगम द्वारा सुरक्षा के लिहाज से घाट पर बैरिकेडिंग कराई गई है, लेकिन निगरानी के अभाव में श्रद्धालु निर्धारित सीमा से आगे बढ़कर स्नान करने लगते हैं। इसी दौरान राजस्थान निवासी केशव और जगदीश गहरे पानी में पहुंच गए और डूबने लगे। मौके पर मौजूद नाविकों ने तत्काल यमुना में उतरकर दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना के बाद घाट पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने नाविकों

की बहादुरी और तत्परता की सराहना की। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते नाविक मदद के लिए नहीं पहुंचते तो बड़ा हादसा हो सकता था। नाविक बलबीर निषाद ने बताया कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी यमुना में डूब रहे चार अन्य श्रद्धालुओं को नाविकों ने नाव के सहारे गहरे पानी से सुरक्षित बाहर निकाला था। इस तरह नाविकों की सतर्कता और बहादुरी से आज छह लोगों की जान बचाई जा चुकी है। घटना के बाद घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और श्रद्धालुओं की निगरानी बढ़ाने की मांग उठने लगी है।

कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे'- प्रो. डॉ. बंसीधर ने रखी मानव सेवा और शिक्षण संस्थान की नींव

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। आगरा में आज के दौर में जहां लोग अपने सपनों और सुविधाओं तक सीमित होते जा रहे हैं, वहीं खंदौली क्षेत्र के मुढ़ी जहांगीरपुर में एक ऐसी प्रेरणादायक पहल सामने आई है, जिसने समाज को नई दिशा देने का काम किया है।

प्रो. डॉ. बंसीधर के अथक प्रयासों से'श्री स्वामी निजानंद जी महाराज मानव सेवा एवं शिक्षण संस्थान व शोध संस्थान' की नींव रखी गई, जिसमें रविवार को पहला पिलर स्थापित किया गया।

यह संस्थान केवल एक इमारत नहीं, बल्कि उन गरीब, लाचार और यतीम बच्चों के सपनों का घर बनेगा, जो आर्थिक अभाव के कारण शिक्षा से दूर रह जाते हैं। यहां जरूरतमंद बच्चों को निशुल्क शिक्षा, मार्गदर्शन और बेहतर भविष्य देने का संकल्प लिया गया है।

प्रो. डॉ. बंसीधर वर्तमान में वांसवाड़ा में प्रोफेसर हैं, लेकिन उनकी सादगी इतनी सहज है कि कोई भी उनके व्यक्तित्व को देखकर यह अनुमान नहीं लगा सकता कि वे एक उच्च शिक्षित प्रोफेसर और समाजसेवी हैं।

उन्होंने अपना पूरा जीवन शिक्षा और मानव सेवा को समर्पित कर दिया। विवाह न करते हुए उन्होंने हजारों बच्चों को निशुल्क शिक्षा दी, जिनमें से अनेक छात्र आज इंजीनियर, डॉक्टर, शिक्षक और विभिन्न प्रतिष्ठित पदों पर कार्यरत हैं। डॉ. बंसीधर का केवल एक ही सपना है – 'कोई भी बच्चा बिना पढ़े न रह जाए

'इसी उद्देश्य को लेकर उन्होंने इस शिक्षण संस्थान की शुरूआत की है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को भी शिक्षा का अधिकार और आगे बढ़ने का अवसर मिल सके।

संस्थान की नींव रखे जाने के अवसर पर क्षेत्रीय लोगों में उत्साह देखने को मिला। लोगों ने इस पहल को समाज के लिए प्रेरणादायक बताते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। समाज के हर वर्ग से अपील की गई है कि इस नेक कार्य में आगे आकर अपना सहयोग दें, ताकि शिक्षा की यह ज्योति अधिक से अधिक जरूरतमंद बच्चों के जीवन को रोशन कर सके।

इस दौरान रामजीलाल प्रधान, डॉ वंशीधर, रोहित जयंत समाजसेवी (नादऊ), वीरेंद्र निगम, लाल सिंह, कन्हैया लाल, कुंवर सेन, रवि भरतिया, रिंकू सेठ जिलाध्यक्ष भीम आर्मी, विनोद कुमार, शिव कुमार, संजय सिंह, नंद किशोर, सतेंद्र सिंह, बंटी भारती, रघुवीर, पिंकू जाटव सहित अन्य क्षेत्र गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

निवर्तमान नगर आयुक्त द्वारा नगर निगम, देहरादून का कार्यभार नवनियुक्त नगर आयुक्त को विधिवत रूप से हस्तांतरित किया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। निवर्तमान नगर आयुक्त श्रीमती नमामी बंसल द्वारा नगर निगम, देहरादून का कार्यभार नवनियुक्त नगर आयुक्त श्री आलोक कुमार पाण्डेय को विधिवत रूप से हस्तांतरित किया गया। इस अवसर पर महापौर श्री सौरभ थपलियाल द्वारा निवर्तमान नगर आयुक्त के कार्यकाल के दौरान किए गए प्रशासनिक कार्यों, जनहित से जुड़े प्रयासों एवं नगर विकास में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की गई। साथ ही उनके कार्यकाल में नगर निगम द्वारा संचालित विभिन्न विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी कार्यों की प्रशंसा भी की गई। इसके साथ ही नवनियुक्त नगर आयुक्त श्री आलोक पाण्डेय का स्वागत किया।

निवर्तमान नगर आयुक्त श्रीमती नमामी बंसल द्वारा अपेक्षा व्यक्त की गई कि नगर निगम के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी भविष्य में भी टीम भावना के साथ समन्वय स्थापित करते हुए नगरहित एवं जनहित के

कार्यों का प्रभावी रूप से संपादन करते रहेंगे

नवनियुक्त नगर आयुक्त श्री आलोक कुमार पाण्डेय ने नगर निगम की व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने हेतु सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करने की बात कही। साथ ही शहर के विकास, स्वच्छता व्यवस्था एवं नागरिक सुविधाओं के प्रभावी संचालन को प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया।

हरियाणा के जनप्रतिनिधियों ने अडींग पंचायत मॉडल की सराहना की

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना के अंतर्गत मंगलवार को हरियाणा प्रदेश से ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, कर्मचारियों एवं सचिवों का एक अंतरराज्यीय एक्सपोजर विजिट दल ग्राम पंचायत अडींग पहुंचा। यहां पहुंचकर प्रतिनिधिमंडल ने पंचायत द्वारा कराए गए विकास कार्यों का निरीक्षण किया और उनकी सराहना की। ।ग्राम प्रधान श्रीमती स्नेहालता रावत एवं ग्राम सचिव मनीष भंडारी ने हरियाणा से आए दल को पंचायत क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों की विस्तार से जानकारी दी।

प्रतिनिधिमंडल ने अनाज मंडी, पंचायत भवन, जन सेवा केंद्र, डिजिटल लाइब्रेरी, आरआरसी सेंटर तथा डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था सहित अन्य योजनाओं का अवलोकन किया ।हरियाणा से आए जनप्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों ने अडींग ग्राम पंचायत

में संचालित व्यवस्थाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां की स्वच्छता व्यवस्था और डिजिटल सुविधाएं अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणादायक हैं। विशेष रूप से डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था को लेकर उन्होंने अपने गांवों में भी इसी प्रकार की व्यवस्था लागू कराने की बात कही। ग्राम प्रधान श्रीमती स्नेहालता रावत ने कहा कि पंचायत का उद्देश्य ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और गांव को स्वच्छ एवं डिजिटल बनाना है। पंचायत द्वारा विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। ग्राम सचिव मनीष भंडारी ने बताया कि पंचायत क्षेत्र में स्वच्छता, डिजिटल सेवाओं और जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों से आए प्रतिनिधियों द्वारा विकास कार्यों की सराहना किया जाना पंचायत के लिए गौरव की बात है। हरियाणा से आई सचिव रेखा रानी ने कहा कि अडींग ग्राम पंचायत में किए गए विकास कार्य बेहद सराहनीय हैं। यहां की व्यवस्थाएं अन्य पंचायतों के लिए एक उदाहरण हैं। वहीं गोवर्धन के एडीओ पंचायत राज बहादुर यादव ने कहा कि राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत इस प्रकार के एक्सपोजर विजिट पंचायतों को एक-दूसरे के विकास कार्यों से सीखने का अवसर प्रदान करते हैं, जिससे ग्रामीण विकास को नई दिशा मिलती है।

सीएम धामी ने केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पुस्तक 'अपनापन-नरेंद्र मोदी संग मेरे अनुभव' के लोकार्पण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में आयोजित केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पुस्तक 'अपनापन-नरेंद्र मोदी संग मेरे अनुभव' के लोकार्पण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। यह गरिमामयी समारोह भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू तथा पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुस्तक के प्रकाशन पर शिवराज सिंह चौहान को शुभकामनाएं दीं तथा इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

उन्होंने कहा कि 'अपनापन' एक प्रेरणादायी कृति है, जिसमें शिवराज सिंह चौहान द्वारा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ विभिन्न भूमिकाओं में प्राप्त अनुभवों का सजीव वर्णन किया गया है।

पुस्तक में नेतृत्व, सेवा, सुशासन एवं राष्ट्र-निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण विचारों को सरल एवं प्रभावी रूप में प्रस्तुत किया गया है। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, भारत सरकार के अनेक मंत्री, विधायक, सांसद, समाजसेवी, लेखक-पत्रकार एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

झूठ की राजनीति करने वाले नेताओं का जनता करेगी अंत: नीरजा शर्मा

वेलकम इंडिया संवाददाता

धौलपुर राजस्थान। जिले के राजाखेड़ा नगरपालिका क्षेत्र में एक बार फिर कांग्रेस को झटका लगा है और करीब एक दर्जन कांग्रेसी कार्यकताओं ने भाजपा नेत्री नीरजा अशोक शर्मा की मौजूदगी में भाजपा का दामन थामा है। राजाखेड़ा नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड संख्या 6 में कांग्रेस कार्यकताओं ने सोमवार देर रात एकजुट होकर भाजपा नेत्री नीरजा अशोक शर्मा का स्वागत सम्मान कर उनकी उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ली है और अंतर्मन से भाजपा का दामन थामा है। कार्यक्रम में भाजपा नेत्री नीरजा अशोक शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में देश प्रदेश में जनहितैषी कार्य हो रहे हैं हमारी सरकार सभी वर्गों सभी धर्मों को साथ लेकर चलने वाली सरकार है हमारे लिए सौभाग्य है कि राजाखेड़ा में

अल्पसंख्यक वर्ग भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर हमसे जुड़ रहा है, शर्मा ने कहा कि राजाखेड़ा में कांग्रेस नेताओं ने गरीबों पर कुठाराघात किए हैं कांग्रेस सरकार की नीतियां गरीब शोषित वंचित वर्ग से विरोधी रही हैं भ्रष्टाचार और कुशासन से त्रस्त होकर दर्जनों कार्यकताओं ने भाजपा का दामन थामा है, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का भी उद्देश्य है सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को मिलना चाहिए। कांग्रेस को घेरते हुए शर्मा ने कहा कि दशकों से जिन्होंने यहां की जनता को गुलाम समझकर शासन किया उस जनता को मूलभूत सुविधाओं से दूर रखा राजाखेड़ा कि जनता को बिजली पानी चिकित्सा शिक्षा तक का विकास नहीं कर पाए उन्होंने केवल झूठ की राजनीति की है जिससे जनता ठगा महसूस करती है और अब जनता जागरूक हो चुकी है यहां झूठे नेताओं की झूठी नेतागिरी नहीं चलने वाली है। भीमपुरा में हुआ शर्मा का भव्य स्वागत इसके साथ ही भाजपा नेत्री नीरजा अशोक शर्मा का नगरपालिका क्षेत्र के भीमपुरा में ठाकुर राजेंद्र सिंह के यहां भव्य स्वागत सम्मान किया गया जहां शर्मा ने सभी के सुख दुख में साथ देने के लिए आश्वस्त किया। भाजपा की सदस्यता लेने वालों में कलुआ खान, छोटू खान, जावेद खान, शाकिर खान, मोनू खान, सोनू खान, रुखसार खान, सोनम खान, सीमा खान, नगीना खान सहित अन्य ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है।

रजिस्ट्री दफ्तर छाता में बैनामे को लेकर भिड़े दो पक्ष, जमकर चले लात-घूंसे लाठी डंडे; महिला घायल

मथुरा(वेलकम इंडिया)। तहसील परिसर में सरेआम हो रहे हंगामे और मारपीट की सूचना तुरंत स्थानीय लोगों ने आपातकालीन सेवा 112 को दी। सूचना मिलते ही पीआरवी–112 और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने स्थिति को संभाला और घायल महिला को तुरंत नजदीकी अस्पताल में उपचार के लिए भिजवाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोनों पक्षों से पूछताछ के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। इस घटना को लेकर क्षेत्र में चचाओं का बाजार गर्म है।

गोवर्धन में श्री मित्र भारत समाज संस्थान द्वारा विशाल भंडारा एवं शर्बत वितरण

मथुरा/गोवर्धन(वेलकम इंडिया)। भीषण गर्मी के बीच श्रद्धालुओं और राहगीरों की सेवा के उद्देश्य से श्री मित्र भारत समाज संस्थान द्वारा दाऊजी मंदिर, गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर विशाल भंडारा एवं शर्बत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर सेवा कार्य की सराहना की। इस अवसर पर समाजसेवी स्वर्गीय भगवत कटारा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके सेवा भाव को याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि स्व. भगवत कटारा सदैव समाज सेवा के कार्यों में अग्रणी रहे और उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम का संचालन श्याम सिंह जीना ने किया। अध्यक्षता कुलदीप सिंह कटारा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आत्मा का परमात्मा से मिलन है महारास: लोकेशानंद महाराज

वेलकम इंडिया संवाददाता

धौलपुर राजस्थान। अधन्नपुर में चल रहे संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के आठवें दिन श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। कथा व्यास परम पूज्य लोकेशानंद महाराज ने अपनी सुमधुर और ओजस्वी वाणी से भगवान श्रीकृष्ण की अलौकिक लीलाओं महारास, कंस वध और रुक्मिणी विवाह का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया। लोकेशानंद महाराज ने महारास प्रसंग की व्याख्या करते हुए कहा कि महारास कोई सांसारिक क्रीड़ा नहीं, बल्कि आत्मा का परमात्मा से मिलन है। भगवान श्रीकृष्ण ने कामदेव के अहंकार को नष्ट करने, भक्तों की इच्छा पूरी करने और आत्मा का परमात्मा से मिलन कराने के लिए शरद

पूर्णिमा की रात को परासौली में महारास रचाया था। महाराज जी ने कंस वध का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि जब अत्याचार अपनी चरम सीमा पर पहुंच जाते हैं, तब ईश्वर का अवतार होता है।

भगवान श्रीकृष्ण ने मथुरा जाकर अत्याचारी कंस का वध किया और धर्म की स्थापना की। इस प्रसंग के माध्यम से महाराज जी ने समाज से बुराइयों और अहंकार को मिटाने का संदेश दिया। आयोजक सोबरन सिंह अरेला और भगवंत प्रसाद अरेला सहित सीपी शर्मा, राजेश मरैया, बृजेश उपाध्याय, अशोक रावत, देवकीनंदन अरेला, पुरुषोत्तम, संतोष, कृष्णकांत, योगेश चौबे, ब्रजमोहन, दिनेश चंद्र रावत, मोतीराम शर्मा, राजकुमार बित्थरिया, शाशिकांत, भीमसेन, लोकेंद्र, आदित्येन्द्र तथा अन्य श्रद्धालुओं ने व्यास पीठ का पूजन किया।

कथा का मुख्य आकर्षण रुक्मिणी विवाह का पावन प्रसंग रहा। रुक्मिणी विवाह के आध्यात्मिक रहस्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि रुक्मिणी साक्षात लक्ष्मी स्वरूपा हैं और जीव का भगवान से मिलन ही रुक्मिणी विवाह है। उन्होंने बताया कि विदर्भ देश की राजकुमारी रुक्मिणी भगवान कृष्ण के गुणों और रूप पर मोहित थीं और उन्हें ही अपना पति मान चुकी थीं।

जब उनके भाई रुक्मी ने उनका विवाह जबरन शिशुपाल से कराना चाहा, तब रुक्मिणी जी ने एक ब्राह्मण के माध्यम से श्री कृष्ण को द्वारका संदेश भेजा। भगवान ने उनके अटूट विश्वास और भक्ति का मान रखते हुए उनका हरण किया और उन्हें अपनी पटरानी बनाया। यह प्रसंग सिखाता है कि जो पूरी तरह भगवान के शरणागत होता है, उसकी रक्षा स्वयं ईश्वर करते हैं। इस मौके पर दूर-दराज से आए अतिथियों व श्रद्धालुओं ने कथाव्यास से आशीर्वाद लिया। कथा के समापन पर महाआरती की गई और सभी भक्तों में महाप्रसाद का वितरण किया गया।

शिक्षा आपके द्वार अभियान से जुड़े भामाशाह

धौलपुर राजस्थान(वेलकम इंडिया)। शिक्षा आपके द्वार ईंट भट्टों पर कार्यरत मजदूर परिवारों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से हुनर शक्ति फाउंडेशन द्वारा शिक्षा आपके द्वार अभियान चलाया जा रहा है। ईंट भट्टों पर पहुंचकर मजदूर वर्ग के बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है भामाशाह राधेश्याम तोमर राजाखेड़ा एवं रामहरि प्रजापति ग्राम नीमडाडा सत्यप्रकाश के द्वारा बच्चों के लिए पुस्तक स्टेशनरी एवं बच्चियों के लिए वस्त्र वितरण किए गये संस्था सचिव नीरज झा के द्वारा स्वागत किया एवं धन्यवाद किया एवं संस्था सचिव नीरज झा ने बताया संस्था का उद्देश्य ऐसे जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा मे जोड़ना उन बच्चों की प्रतिभा को खोजना एवं नवीन शिक्षा नीति – 2020 के अनुसार खेल खेल मे बच्चों की अभिरुचि के साथ हुनरमंद शिक्षा का बढावा देना संस्था का उद्देश्य है संस्था जरूरतमंद बच्चों की सहायता के लिए सी एस आर सहयोग से बस प्रपोजल आगे प्रेषित किये गये है जिसका उद्देश्य दूरगामी लक्ष्यों एवं अधिक से अधिक जरूरतमंद बच्चों तक शिक्षा मे मदद करना है जरूरतमंद एवं गरीब मजदूर वर्ग के बच्चे आर्थिक एवं सामाजिक

विद्युत विभाग में कर्मचारियों की छटनी से विद्युत व्यवस्था चरमराई, भयंकर गर्मी से लोग परेशान

राजीव मोंगरा

बेहट/सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। जनपद सहारनपुर में उत्तर प्रदेश सरकार के मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के आदेशो की विद्युत विभाग के अधिकारी खुलकर अवहेलना करते नजर आ रहे हैं मुख्यमंत्री जी के आदेश है कि देहात क्षेत्र में 18 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए लेकिन उपभोक्ताओं के अनुसार उन्हें कुल 8 से 9 घंटे ही सप्लाई मिल पा रही हैं ! हालांकि इन दिनों भीषण गर्मी का प्रकोप है। जिसमें सप्लाई कम मिलने के दो कारण सुनाई पड़ रहे हैं एक गर्मी के कारण ओवरलोडिंग दूसरा छटनी का नाम देकर संविदा कर्मचारियों को कम करना अब ऐसे में बढ़ते लोड को देखते हुए कर्मचारियों की मांग और बढ़ती नजर आ रही है लेकिन विद्युत विभाग के अधिकारी उसका उल्टा करते नजर आ रहे है वो संविदा कर्मचारियों की बढ़ोतरी करने की बजाए घटा रहे है ग्रामीणों का कहना है कि कर्मचारी कम होने से फॉल्ट समय पर सही नहीं हो पाते व शट डाउन अधिक समय रहता है कभी कभी पूरी रात ही सप्लाई बंद रहती है। ऐसे में संविदा कर्मचारियों की छटनी बिल्कुल गलत है।मिली जानकारी के अनुसार लगभग 1 वर्ष पूर्व विद्युत उपकेन्द्र से अनुभवी 1 नग परिचालन एस. एस.ओ.को हटाया गया था ! जिसकी जगह नोडल टी.जी.2 को बिजलीघर पर परिचालन कार्य हेतु रखा गया जो कि सप्लाई बाधित होने का कारण है क्योंकि नोडल टी.जी.2 को फील्ड का कार्य दिया हुआ था जो कि मेंटिनेंस का कार्य समय समय पर देखकर सही करा दिया करते थे लेकिन नोडल टी. जी.2 से परिचालन का कार्य कराने पर साइड मेंटिनेंस का कार्य कम हो गया है कभी भी कही भी तकनीकी फॉल्ट आ जाता है जिसके कारण सप्लाई बाधित होती है।इतना ही नहीं जनपद सहारनपुर में वर्ष 2025 व 2026 में कंपनियों को संविदा कर्मचारियों के लिए अनुबंध हुआ है सभी को कर्मचारियों की संख्या कम कर हुआ है चाहे वो सर्कल द्वितीय में हुआ हो या हाल ही में सर्कल प्रथम में हुआ हो जिसके कारण कंपनियों ने अनुभवी संविदा कर्मचारियों को कम किया है जिसके कारण सप्लाई बाधित हो रही हैं।बात करे हाल ही में हुए सर्किल प्रथम में 1अप्रैल 2026 से हुए अनुबंध की जिसमें 54 संविदा कर्मचारियों को कम किया है जिसमें डिविजन देवबंद,डिविजन प्रथम सहारनपुर व डिविजन बेहट शामिल है ऐसे में आप भी खुद में सोचिए कि लोड बढ़ने पर कर्मचारियों को बढ़ाया जाए ना कि घटाया जाए यह 54 संविदा कर्मचारी वो है जो अनुरक्षण यानी तकनीकी फॉल्ट आने पर पोल पर चढ़कर कार्य करने वाले कर्मचारी है और कई-कई वर्षों से कार्य करने वाले कर्मचारी है ! ऐसे कर्मचारी अगर कम होंगे तो सीधी सी बात है कि तकनीकी फॉल्ट देरी से सही होंगे।तकनीकी फॉल्ट देरी से सही होंगे तो उपभोक्ताओं को सप्लाई कैसे मिलेगी।

वही इस संबंध में जब सर्किल प्रथम अधीक्षण अभियंता रविन्द्र कुमार से उनके सरकारी नंबर 9193330400 पर कई बार बात करने का प्रयास किया तो उन्होंने फोन उठाना भी उचित नहीं समझा।

भारत की जनगणना 2027 के क्रम में प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर की जा रही है मकानों की गणना

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। अपर जिलाधिकारी (वित्त व राजस्व)/जिला जनगणना अधिकारी सत्य प्रकाश ने बताया है कि भारत की जनगणना 2027 में मकानों की गणना दिनॉक 22.05.2026 से दिनॉक 20.06.2026 के मध्य पूर्ण किया जाना है।

उन्होंने बताया कि उक्त के क्रम में जनपद के शत प्रतिशत मकानों की गणना किए जाने हेतु समस्त चार्ज आफिसरों को निर्देशित कर दिया गया है कि समस्त चार्ज आफिसर अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर जनगणना कार्य में लगें प्रगणकों, सुपरवाइजरों से मिलकर प्रक्रियागत समस्याओं, यदि कोई हो तो उसका निराकरण कराये तथा जनगणना के कार्य में प्रगति लाना सुनिश्चित करें। उक्त के क्रम में आज चार्ज आफिसर/तहसीलदार खलीलाबाद आनन्द ओझा, अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत बेलहर अमित सिंह, तहसीलदार धनघटा रामजी, अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत मेंहदावल तथा बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह द्वारा क्षेत्रों में भ्रमण कर जनगणना में लगे प्रगणकों तथा अन्य क्षेत्र-वासियों से सम्पर्क किया गया तथा आमजनमानस को जनगणना में सहयोग करने हेतु संदेश/आह्वान किया गया। इसी क्रम में आज मेहदावल तहसील में ल्छइ 0621 के प्रगणक शिवचंद्र कुमार मौर्य व उनके सुपरवाइजर राम अनुज द्वारा अपने पूरे ब्लॉक की गणना (156 जनगणना मकान) कर नक्शा जमा किया गया। कम समय में इनके द्वारा सराहनीय कार्य किया गया है।

प्रधान संघ की बैठक में प्रशासक बनाये जाने पर जताया गया आभार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। मंगलवार को अखिल भारतीय प्रधान संगठन की ब्लाक इकाई ने अध्यक्ष मोहम्मद इनामुल्लाह कुरैशी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा प्रधानों को प्रशासक बनाये जाने पर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किये। इस अवसर पर ब्लाक अध्यक्ष मोहम्मद इनामुल्लाह कुरैशी ने कहा कि प्रदेश सरकार के इस फैसले से गांव के विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि संगठन ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन बीडीओ के माध्यम से प्रेषित किया। उन्होंने कहा कि प्रधान संघ ने 20 मई को लखनऊ में इस मांग को लेकर प्रदर्शन किया था जिसमें प्रधानों को प्रशासनक बनाये जाने की मांग की गई थी जिसमें ब्लाक के प्रधानों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिए। बजहरा ग्राम प्रधान प्रतिनिधि इरशाद अहमद ने कहा कि गांव का विकास प्रभावित न हो इसको लेकर हमारे साथियों ने पहले पंचायती मंत्री ओमप्रकाश राजभर को ज्ञापन दिया गया फिर पूरे प्रदेश के ग्राम प्रधानों ने लखनऊ में धरना प्रदर्शन भी किया। इस अवसर पर मोहम्मद शफीक, मोहम्मद अहमद, जुल्फेकार अली, इरशाद अहमद, मो. इस्माइल, मो. सईद, मो. सुलेमान चौधरी, मो. रमजान, फिरोज अख्तर, अब्दुल कलाम, राम लखन गुप्ता, अबरार अहमद, राम सागर चौधरी, इल्ताफुर्रहमान, अनीस अहमद आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

नकुड़ पुलिस ने हत्या के प्रयास के वांछित आरोपी को दबोचा, तमंचा और कारतूस बरामद

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। थाना नकुड़ पुलिस ने हत्या के प्रयास के दो मामलों में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध तमंचा, जिंदा कारतूस और खोखा कारतूस बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं में भी कार्रवाई बढ़ा दी है। पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी नकुड़ के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक देवेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में थाना नकुड़ पुलिस टीम ने सोमवार को आरोपी सचिन राणा पुत्र तरसेम निवासी ग्राम ढकदेई थाना नकुड़ को खेड़ा अफगान रोड स्थित ढकदेई तिराहे के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस तथा एक खोखा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक बरामद हथियार का इस्तेमाल हत्या के प्रयास की घटनाओं में किया गया था। पुलिस के अनुसार 25 मई 2026 को ग्राम पिलखना निवासी रवि कुमार ने आरोपी सचिन के खिलाफ जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने का मुकदमा दर्ज कराया था। वहीं 15 मई 2026 को ग्राम ढकदेई निवासी शहनवाज ने भी आरोपी के खिलाफ अपने पिता गुलजार और भाई आजम के साथ मारपीट व फायरिंग करने का मामला दर्ज कराया था। दोनों मामलों में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर संबंधित धाराओं के साथ 3/25/27 आर्म्स एक्ट की बढ़ोत्तरी की है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

आरोपी का आपराधिक इतिहास

पुलिस के अनुसार आरोपी सचिन राणा के खिलाफ पहले से हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट समेत कई संगीन मुकदमे दर्ज हैं।

गिरफ्तारी करने वाली टीम, प्रभारी निरीक्षक देवेश कुमार शर्मा, उपनिरीक्षक विरेन्द्र कुमार, हेड कांस्टेबल अमित, हेड कांस्टेबल राजकमल।

पुलिस की चेकिंग में फंसा तमंचा धारी, तमंचा व कारतूस बरामद

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति और वाहन चेकिंग अभियान के दौरान एक युवक को एक तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है।पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास की जांच में जुटी है।पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर जनपदभर में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार, उपनिरीक्षक नरेंद्र वर्मा व पुलिस टीम के साथ कैराना मार्ग स्थित जिडाना नहर पुलिया के पास चेकिंग कर रहे थे।इसी दौरान पुलिस को एक संदिग्ध युवक दिखाई दिया, जो पुलिस टीम को देखकर भागने लगा। शक होने पर पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मुनव्वर पुत्र नकीम निवासी ग्राम गंदराऊ, थाना कैराना बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मंगलवार को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।पुलिस आरोपी के अन्य आपराधिक रिकॉर्ड खंगालने में जुटी है।

मुजफ्फराबाद कार्यालय पर प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष की अगवाई में प्रधानों की एक बैठक आयोजित की गई

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। जनपद के विकासखंड मुजफ्फराबाद कार्यालय पर प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रवीर सैनी की अगुवाई में प्रधानों का 6 माह का कार्यकाल उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बढ़ाए जाने के उपलक्ष में एक बैठक आयोजित की गई जिसमें सभी प्रधानों ने प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रवीर सैनी को प्रधानों के पक्ष की लड़ाई कर जीत हासिल करने पर फूल माला डालकर जोरदार स्वागत किया प्रधानों ने ब्लॉक अध्यक्ष किया अगुवाई में सहायक विकास अधिकारी प्रमोद कुमार का भी फूल माला डालकर जोरदार स्वागत किया ग्राम प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रवीर सैनी ने कहां की सभी ग्राम प्रधान अपनी अपनी पंचायत में जो रुके हुए विकास कार्य हैं उनका समय पर करने का कार्य करें और पात्र व्यक्तियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दें और अपने गांव को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करें सहायक विकास अधिकारी प्रमोद कुमार ने कहा कि हमेशा प्रयास यह रहा है। धरातल पर विकास हो और गांव में राजनीति व द्वेष भावना को समाप्त कर विकास कार्य करने का प्रयास रहा है और हमेशा रहता रहेगा इस दौरान मुख्य रूप से सहायक विकास अधिकारी प्रमोद कुमार, प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रवीर सैनी, प्रधान सुलेख सैनी, विक्रम सैनी, मोहम्मद आजम, कुर्बान अली, भूरा प्रधान, मोहम्मद इसरार, जसवीर सैनी, अरविंद कुमार, चंद्रपाल सैनी, सुभाष सैनी, अजय सैनी, विक्रम सिंह सैनी, विनोद सैनी, आदि प्रधान एवं ब्लॉक कर्मचारी मौजूद रहे।

थाना बखिरा पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के मामले में वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। जनपद में मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 द्वितीय चरण के अन्तर्गत महिलाओं पर अपराधों के रोकथाम हेतु पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी मेंहदावल सर्व दवन सिंह के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक थाना बखिरा अरविन्द कुमार शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम उ0नि0 राजकुमार मिश्रा, हे0का0 मनोज यादव ने मु0अ0सं0 180/2026 धारा 64(1), 352, 351(3) बीएनएस व 3/4 पाक्सो एक्ट थाना बखिरा जनपद संतकबीरनगर के मामले में वांछित अभियुक्त आजाद पुत्र सुरेन्द्र निवासी ग्राम खुरजहना थाना बखिरा को मंगलवार को नन्दौर चौराहे से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। विदित हो कि वादिनी द्वारा दिनाँक 21.05.2026 को थाना बखिरा पर वादिनी की नाबालिग पुत्री के साथ उपरोक्त अभियुक्त द्वारा जबरन दुष्कर्म करने व धमकी देने तथा वादिनी द्वारा उलाहना देने पर अभियुक्त के परिजनों द्वारा गाली व धमकी देने के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र देकर अभियोग पंजीकृत कराया गया था ।

थाना दुधारा पुलिस ने नाबालिग को बहला फुसलाकर भगा ले जाने व दुष्कर्म करने के मामले में वाँछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। थाना दुधारा पुलिस ने नाबालिग को बहला फुसलाकर भगा ले जाने व दुष्कर्म करने के मामले में वाँछित अभियुक्त को मुखबिर की सूचना पर छापा मारकर गिरफ्तार कर सम्बंधित न्यायालय भेज दिया। अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना दुधारा उ0नि0 प्रदीप कुमार सिंह, हे0का0 प्रदीप सिंह विशेन, हे0का0 विनोद कुमार यादव, का0 दीपनारायण शर्मा ने मुखबिर की सूचना पर थाना दुधारा पर पंजीकृत मु0अ0सं0 204/2026 धारा 64(1), 87, 137(2) बीएनएस व 3/4 पाक्सो एक्ट तथा 3(2)(5) एससी/एसटी एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त विवेक उर्फ लाला पुत्र पुरुषोत्तम निवासी इनायतपुर थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर को सालेहपुर के पास से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया।

सहारनपुर की बेटी प्राची चौधरी ने राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में जीता कांस्य पदक

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। झारखंड के रांची स्थित बिरसा मुंडा स्टेडियम में भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के तत्वाधान मे 22 से 25 मई तक आयोजित हुई 29वीं राष्ट्रीय सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन कप प्रतियोगिता में प्राची चौधरी ने कांस्य पदक पदक जीतकर अपने खेल का शानदार प्रदर्शन किया। जिला एथलेटिक्स संघ सहारनपुर के सचिव डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि उक्त राष्ट्रीय प्रतियोगिता मे सहारनपुर के ग्राम झबीरण निवासी जयवीर सिंह और राजेश देवी की पुत्री ओलंपिक खिलाड़ी प्राची चौधरी ने 400 मीटर दौड़ स्पर्धा में भाग लिया। प्राची ने 53.26 सेकंड का बेहतरीन समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया और कांस्य पदक अपने नाम किया। इस स्पर्धा में तमिलनाडु की आर. वितथाया रामराज ने प्रथम और अखिल भारतीय पुलिस विभाग की अनसा बाबू ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। सचिव डॉ. अशोक कुमार गुप्ता ने बताया कि प्राची चौधरी, साल 2024 में आयोजित 33वें पेरिस ओलंपिक खेल में भारतीय एथलेटिक्स टीम के सदस्य के रूप में 4 गुना 400 मीटर दौड़ में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। उन्होने बताया कि प्राची चौधरी पूर्व में भारतीय रेल विभाग में कार्यरत थी जो अब उत्तर प्रदेश प्रशासन के जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग में अधिकारी के पद पर नियुक्त हैं। एथलेटिक्स प्रतियोगिता में प्राची चौधरी के कांस्य पदक जीतने पर सुषमा बजाज, मशकूर अहमद, यशपाल सिंह पुंडीर, चौधरी ईश्वरपाल सिंह मुखिया, डॉ. संदीप गुप्ता, लाल धर्मेंद्र प्रताप, अविनाश कुमार बिट्टू, दीपक शर्मा, जुली पुंडीर, रुबिका नेगी, पंकज गर्ग, अनिल भाटी, पॉपिन कुमार, मुस्तकीम अंसारी, समित पंवार, गौरव चौहान, मनोज प्रजापति, नूरीन जहां, सुप्रिया रानी, रवि कोरी, आदि ने शुभकामनाएं दी।

सपा प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवारों को सौंपी आर्थिक सहायता, भाजपा सरकार पर साधा निशाना

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री Akhilesh Yadav के निदेर्शानुसार समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल सहारनपुर जनपद स्थित पार्टी कार्यालय पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न घटनाओं में मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की तथा आर्थिक सहायता राशि के चेक सौंपे। प्रतिनिधिमंडल ने ग्राम मोहम्मदपुर कंधेला निवासी रोहित कश्यप की दबंगों द्वारा गला दबाकर हत्या कर शव को पेट्रोल डालकर जलाने की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। वहीं नकुड़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम छापुर निवासी रवि कश्यप तथा देहात विधानसभा क्षेत्र के ग्राम चक हरेटी निवासी सुमित कश्यप की सड़क दुर्घटना में हुई मृत्यु पर भी शोक जताया गया। इसके अलावा देहात विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सुभरी महराब निवासी बीएलओ धूम सिंह के दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान हृदय गति रुकने से हुए आकस्मिक निधन पर भी संवेदना प्रकट की गई। समाजवादी पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से कश्यप समाज के तीन पीड़ित परिवारों को एक-एक लाख रुपये तथा बीएलओ धूम सिंह के परिवार को दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि के चेक प्रदान किए। इस दौरान इकरा हशन तथा सहारनपुर लोकसभा के पूर्व सांसद हाजी फजलू रहमान ने कहा कि समाजवादी पार्टी भविष्य में भी पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पीडीए समाज के साथ अन्याय हो रहा है और अब जनता भाजपा की 'बांटो और राज करो' की नीति को समझ चुकी है। सहारनपुर देहात विधायक आशु मलिक एवं बेहट विधायक उमर अली खान ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार के दौरान आम जनता परेशान है तथा लोगों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। जिलाध्यक्ष चौधरी अब्दुल वाहिद एवं पूर्व मंत्री मांगेराम कश्यप ने भाजपा सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार पीडीए समाज पर अत्याचार कर रही है और आने वाला समय बदलाव का होगा। कार्यक्रम में संदीप सैनी विधानसभा अध्यक्ष नकुड़, रागिब अली विधानसभा अध्यक्ष बेहट, साजिद चौधरी, हैदर अली, चौधरी अब्दुल गफूर, फैसल सलमानी, फरहाद आलम गाड़ा, चौधरी अबूबकर, चौधरी सुदेश गुज्जर, शीशपाल कश्यप, हाफिज उवैस, पूजा कश्यप, सुनील कश्यप, कविता कश्यप, शशि कश्यप, बबीता कश्यप, हसीन कुरैशी, रईस मलिक चेयरमैन, नदीम गौड़, मुदस्सिर देवबंद, मोहम्मद शहबाज, फरीद अली, सैयद हस्सान पीआरओ एवं मीडिया प्रभारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

व्यापार मंडल ने मनाई शहीद व्यापारी स्व. हरीशचन्द्र अग्रवाल की पुण्यतिथि

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। शहीद व्यापारी स्वर्गीय हरीशचन्द्र अग्रवाल की पुण्यतिथि सोमवार को हर वर्ष की भांति श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर व्यापार मंडल पदाधिकारियों एवं व्यापारियों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष श्री अनित गर्ग ने कहा कि 26 मई 1979 को लखनऊ के अमीनाबाद क्षेत्र में बिक्री कर विभाग द्वारा मारे गए छापे के दौरान संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। इस दौरान पुलिस द्वारा व्यापारियों पर फायरिंग की गई, जिसमें स्व. हरीशचन्द्र अग्रवाल गोली लगने से शहीद हो गए थे। उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद व्यापारियों ने एकजुट होकर संघर्ष किया, जिसके परिणामस्वरूप संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई हुई तथा चेकिंग विभाग के अधिकारों को सीमित किया गया। उन्होंने कहा कि व्यापार मंडल प्रत्येक वर्ष उनकी पुण्यतिथि को प्रेरणा दिवस के रूप में मनाता है। वरिष्ठ जिला महामंत्री एवं महानगर अध्यक्ष सरदार गुरमेल सिंह ने कहा कि आज भी राज्यकर अधिकारियों द्वारा व्यापारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। छोटी-छोटी गलतियों पर नोटिस देकर व्यापारियों को परेशान किया जाता है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अधिकारी अपनी कार्यशैली में सुधार करें, अन्यथा व्यापार मंडल आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

जनता सेवा' या मौत का सौदागर? बिना डिग्री के डॉक्टर ने किया ऑपरेशन, नवजात की मौत, प्रसूता गंभीर

असदुल्लाह सिद्दीकी

इटवा/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। जिले में स्वास्थ्य विभाग की नाक के नीचे चल रहे अवैध और लापरवाह निजी अस्पतालों का एक और खौफनाक चेहरा सामने आया है। इटवा तहसील क्षेत्र में संचालित 'जनता सेवा हॉस्पिटल' पर एक बार फिर गंभीर लापरवाही के कारण नवजात शिशु की जान लेने का आरोप लगा है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि बिना जरूरी जांच और बिना किसी वैध डिग्री के, अस्पताल के संचालक ने महिला का ऑपरेशन (सिजेरियन) कर दिया, जिससे नवजात की मौत हो गई और प्रसूता जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही है।

बिना अल्ट्रासाउंड और हार्टबीट जांचे पेट पर चला दी छुरी!

मामला इटवा थाना क्षेत्र का है। पीड़ित परिवार के अनुसार, गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा होने पर सबसे पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) इटवा ले जाया गया था। वहां के डॉक्टरों ने बताया कि नॉर्मल डिलीवरी संभव नहीं है और सीजर (ऑपरेशन) करना पड़ेगा, लेकिन CHC में इसकी व्यवस्था नहीं होने के कारण उन्हें बाहर रेफर कर दिया गया। इसके बाद परिजन महिला को पास के ही 'जनता सेवा हॉस्पिटल' ले गए। आरोप है कि अस्पताल में तैनात कथित डॉक्टर राकेश यादव ने बिना महिला का अल्ट्रासाउंड किए और बिना बच्चे की धड़कन (हार्टबीट) जांचे सीधे ऑपरेशन कर दिया। पीड़ित सिद्धार्थ कुमार का कहना है कि अस्पताल में मौजूद उनकी माता लगातार डॉक्टरों से बच्चे की हार्टबीट चेक करने की मिन्नतें करती रहीं, लेकिन किसी ने उनकी एक न सुनी।

बस्ती रेफर होते ही नवजात घोषित मृत, मां की हालत नाजुक

ऑपरेशन के तुरंत बाद जच्चा और बच्चा दोनों की हालत बिगड़ने लगी। अस्पताल प्रशासन ने अपनी गर्दन फंसती देख आनन-फानन में

दोनों को बस्ती जिले के लिए रेफर कर दिया। पीड़ित परिवार जब प्रसूता और नवजात को लेकर बस्ती पहुंचा, तो वहां के डॉक्टरों ने जांच के बाद नवजात शिशु को मृत घोषित कर दिया। वहीं, प्रसूता की हालत अब भी अत्यंत गंभीर बनी हुई है। बिना किसी जांच और बिना बच्चे की धड़कन नापे मेरे बच्चे का ऑपरेशन कर दिया गया। जब हालत बिगड़ी तो बस्ती रेफर कर दिया, जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। हमारी कोई सुनवाई नहीं हुई।

बड़ा खुलासा: पूर्व में भी सील हुआ अस्पताल, नाम बदलकर फिर शुरू हुआ मौत का खेल

इस पूरे मामले में स्वास्थ्य विभाग और अस्पताल संचालकों के बीच के कथित गठजोड़ का एक बड़ा खुलासा हुआ है। परिजनों का दावा है कि यह अस्पताल कोई नया नहीं है। इससे पहले भी यह 'सेवा हॉस्पिटल' के नाम से संचालित था और भारी अनियमितताओं के कारण इसे प्रशासन द्वारा सील कर दिया गया था। लेकिन कुछ ही समय बाद, स्वास्थ्य विभाग के भ्रष्ट तंत्र की मिलीभगत से इसका नाम बदलकर 'जनता सेवा हॉस्पिटल'कर दिया गया और मौत का यह धंधा दोबारा शुरू हो गया। आरोप है कि हर बार बड़ा मामला सामने आने पर विभागीय जिम्मेदारों को मोटी रकम देकर मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है।

शहर से बाहर हैं साहब! CMO बोले- आने के बाद करेंगे जांच

जब इस बेहद संवेदनशील और गंभीर मामले को लेकर जिले के मुख्य चिकित्साधिकारी (CMO) डॉ. रजत चौरसिया से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने खुद के शहर से बाहर होने की बात कही। सीएमओ ने फोन पर बताया कि वह फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन जिले में वापस लौटने के बाद मामले की पूरी जांच कराएंगे और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

सिस्टम पर बड़े सवाल: आखिर कितनी और मौतों का इंतजार?

यह घटना सिर्फ एक अस्पताल की लापरवाही का नतीजा नहीं है, बल्कि पूरे स्वास्थ्य सिस्टम के वेंटिलेटर पर होने का सबूत है।

आखिर विभागीय अधिकारियों की नाक के नीचे सील हुआ अस्पताल नाम बदलकर कैसे चल रहा था?

बिना वैध डिग्री के राकेश यादव जैसे कथित डॉक्टर मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ कैसे कर रहे हैं?

क्या स्वास्थ्य विभाग सिर्फ किसी मासूम की मौत के बाद ही जांच का रटा-रटाया बयान जारी करने के लिए बैठा है?

घटना के बाद से पीड़ित परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों ने अस्पताल संचालक, कथित डॉक्टर राकेश यादव और मामले को दबाने वाले विभागीय अधिकारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई और एफआईआर (FIR) दर्ज करने की मांग की है।

दलित, पीड़ित, किसान और मजदूर आज अखिलेश की तरफ उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे हैं: मो0 अरशद खान

वेलकम इंडिया संवाददाता

जौनपुर। राष्ट्रीय सचिव समाजवादी पार्टी, पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने आज कहा कि उत्तर प्रदेश का दलित, पीड़ित, किसान और मजदूर वर्ग अपने अधिकार, सम्मान और न्याय के लिए अखिलेश यादव की ओर आशा और विश्वास के साथ देख रहा है। उन्होंने कहा कि पीडीए केवल एक राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, आर्थिक बराबरी और संवैधानिक अधिकारों की एक मजबूत विचारधारा है। पीडीए का मतलब है – पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज के साथ किसान, मजदूर और गरीब तबकों को विकास की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक स्थान देना। मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि आज किसान बढ़ती लागत, फसल के उचित मूल्य की कमी, खाद-बीज संकट, सिंचाई की समस्याओं और कर्ज.के बोझ से परेशान है। वहीं मजदूर वर्ग बेरोजगारी, कम मजदूरी, असुरक्षित कामकाजी माहौल और महंगाई की मार झेल रहा है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव किसानों और मजदूरों की समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए कृत संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार बनने पर किसानों को फसल का लाभकारी मूल्य, मुफ्त सिंचाई, बिजली में राहत, समय पर खाद-बीज उपलब्ध कराने तथा मजदूरों के लिए सम्मानजनक वेतन, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने का काम किया जाएगा। मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव सामाजिक न्याय और जनहित की निर्णायक लड़ाई होगा। दलित, पीड़ित, किसान और मजदूर एकजुट होकर उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी सरकार बनाएंगे और अन्याय, बेरोजगारी तथा शोषण की राजनीति को समाप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ही वह ताकत है जो संविधान, लोकतंत्र और गरीब जनता के अधिकारों की सच्ची लड़ाई लड़ रही है।

प्रशासक बनने की सूचना पर ग्राम प्रधानों में खुशी की लहर

असदुल्लाह सिद्दीकी

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। जनपद सिद्धार्थनगर ग्राम पंचायतों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक बनाये जाने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्णय से जिले भर के प्रधानों में उत्साह का माहौल है। पंचायती राज विभाग के प्रस्ताव को मुख्यमंत्री को स्वीकृति मिलने की खबर के बाद 1136 ग्राम प्रधानों के चेहरे खिल उठे हैं। प्रधानों का कहना है कि अब गावों के विकास कार्य बाधित नहीं होंगे और योजनाओं का संचालन निरन्तर चलता रहेगा। ग्राम पंचायत चुनाव विधानसभा चुनाव के बाद प्रस्तावित हैं। ऐसे में पंचायतों में प्रशासक नियुक्त किये जाने थे।

प्रधान लम्बे समय से मांग कर रहे थे कि गांव की सरकार होने के नाते उन्हें ही यह जिम्मेदारी दी जायें। प्रधानों का कहना है कि पूर्व में जब सहायक विकास अधिकारी पंचायतों को यह दायित्व मिलता था, तो एक अधिकारी के जिम्मे कई पंचायतें होने के कारण

विकास कार्य प्रभावित होते थे। प्रधानों और प्रधान संगठनों ने मुख्यमंत्री के निर्णय को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इससे गावों में चल रही योजनाओं की गति बनी रहेगी। प्रधानों ने सरकार और संगठन के नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस क्रम में डा0 पवन मिश्रा (जिला अध्यक्ष प्रधान संघ) ने बताया कि यह निर्णय गावों के जनहित में बेहद महत्वपूर्ण है। ग्राम प्रधान गांव की जरूरतों को सबसे बेहतर ढंग से समझता है। जब यह जिम्मेदारी अधिकारियों को दी जाती थी, तो गांवों का समुचित विकास नहीं हो पाता था। मुख्यमंत्री ने ग्राम प्रधानों पर विश्वास जताकर सराहनीय कदम उठाया है। सरकार ने प्रधानों को एक वर्ष दिया है। वहीं जफर आलम (ब्लाक अध्यक्ष शोहरतगढ़.) ने कहा कि पहली बार सरकार ने ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक बनाये रखने का निर्णय लिया है। इससे गांवों का विकास प्रभावित नहीं होगा। प्रधान पहले से अधिक जिम्मेदारी के साथ गांवों में कार्य करेंगे और जनकल्याणकारी योजनाओं की तेजी से आगे बढ़ायेंगे। उन्होंने कहा कि यदि बाहर के अधिकारी पंचायत संभालते तो योजनाओं की गति धीमी पड़ जाती। अब प्रधानों को जिम्मेवारी मिलने से गांवों में निर्माण कार्य, साफ-सफाई और जनकल्याण योजनाएं लगातार चलती रहेगी। इससे ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। वहीं प्रधान को प्रशासक बनाये जाने पर उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन जिलाध्यक्ष डॉ0 पवन मिश्रा और ब्लॉक अध्यक्ष शोहरतगढ़ जफर आलम ने सम्मानित प्रधान साथियों की तरफ से हार्दिक बधाई एवं धन्यवाद दिया है।

3 शातिर बदमाशों के विरुद्ध हुई गैंगस्टर की कार्रवाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलन्दशहर। स्याना पुलिस द्वारा 3 शातिर किस्म के बदमाशों के विरुद्ध गैंगस्टर की कार्रवाई की गई है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रामनारायण सिंह ने दर्ज कराया है कि गैंगलीडर अभियुक्त विनय उर्फ विनय चौधरी उर्फ तोता निवासी ग्राम उदयपुर, थाना क्षेत्र बाबूगढ़, हापुड़, ने अपने सहअभियुक्त सदस्य टीटू उर्फ मोनू निवासी ग्राम बक्सर, थाना क्षेत्र सिम्भावली, हापुड़, तथा सोहनपाल उर्फ सोनू निवासी ग्राम नंगला चन्दपुरा, थाना क्षेत्र बीबीनगर, बुलंदशहर के साथ मिलकर एक संगठित आपराधिक गिरोह कायम कर रखा है, जोकि अन्तर्जनपदीय स्तर पर सक्रिय है। उपरोक्त गिरोह मे शामिल उक्त तीनों रात्रि में चोरी करने आदि घटनाएं अंजाम देते हैं। उक्त अभियुक्तगण के विरुद्ध जनपद व अन्य जनपदों के अलग-अलग थानों पर अलग-अलग अभियोग पंजीकृत हैं। उक्त गिरोह ने बीते वर्ष स्याना स्थित नवीन मंडी में 4-5 दुकानों के शटर तोड़कर गल्ले से रुपए व दुकान मे लगे डीवीआर को चोरी करने व स्याना से ही ट्रैक्टर चोरी करने की घटना को अंजाम दिया था। स्याना पुलिस द्वारा विनय व सोहनपाल को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से मंडी की दुकानों से चोरी किये गए रुपए, चोरी किया गया ट्रैक्टर व अवैद्य तमंचा व कारतूस सहित चोरी की घटना में प्रयुक्त बुलेरो पिकअप गाड़ी व चोरी करने के उपकरण भी बरामद किए। अभियुक्त टीटू उर्फ मोनू को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की एक बुलेट मोटरसाइकिल, चोरी करने के उपकरण व अवैद्य असलाह तमंचा कारतूस बरामद किया गया तथा आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल किये गए। दर्ज कराया है कि उक्त लोगों का संगठित गिरोह है, जो अपने भौतिक व आर्थिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से गिरोह बनाकर रात्रि में चोरी करने जैसे अनुचित कार्य कर रहे हैं। गिरोह के सदस्य विशेष रूप से रात्रि मे चोरी करने के अभ्यस्त अपराधी हैं तथा अवैद्य धन अर्जित करने के उद्देश्य से ही चोरी करने जैसी घटना को अंजाम देते है। उक्त का जनता एवं समाज में भय व आतंक व्याप्त है, जिसके कारण जनता का कोई भी व्यक्ति अभियोग पंजीकृत कराने एवं गवाही देने का साहस नही करता। स्याना कोतवाली पर उक्त तीनों के विरुद्ध धारा 2/3 उत्तर प्रदेश गिरोहबन्द व समाज विरोधी क्रियाकलाप एवं निवारण अधिनियम वर्ष 1986 का अभियोग पंजीकृत किया गया है ।

गलत यूपीआई आईडी पर ट्रांसफर हुए 14 सौ रुपये साइबर टीम ने कराए वापस

असदुल्लाह सिद्दीकी

जोगिया/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। जनपद में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं पीड़ितों को त्वरित राहत दिलाने के लिए पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जोगिया उदयपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। थाना क्षेत्र के धेन्सा नानकार गांव निवासी उर्मिला पत्नी अमन वर्मा द्वारा ऑनलाइन लेनदेन के दौरान गलती से 14 सौ रुपये गलत यूपीआई आईडी पर ट्रांसफर हो गए थे। धनराशि गलत खाते में जाने के बाद पीड़िता काफी परेशान हो गई और उसने इसकी शिकायत एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज कराई। जानकारी के अनुसार, उर्मिला ने 25 अप्रैल 2026 को शिकायत संख्या 23104260081087 के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि मोबाइल से भुगतान करते समय तकनीकी त्रुटि के कारण 14 सौ रुपये किसी अन्य यूपीआई आईडी पर चले गए। शिकायत मिलते ही थाना जोगिया उदयपुर के थानाध्यक्ष अभय सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए साइबर सेल टीम को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। साइबर टीम ने बैंक अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर ट्रांजेक्शन का विवरण खंगाला और संबंधित खाते को ट्रेस किया। लगातार प्रयास एवं तकनीकी जांच के बाद पूरी धनराशि सुरक्षित रूप से पीड़िता के खाते में वापस करा दी गई। खाते में रुपये वापस आने पर पीड़िता एवं उसके परिवार ने राहत की सांस ली और पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने लोगों से ऑनलाइन लेनदेन करते समय सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी या गलत ट्रांजेक्शन होने पर तत्काल एनसीआरपी पोर्टल या नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई कर धनराशि वापस कराई जा सके। इस सराहनीय कार्य में थाना जोगिया उदयपुर की साइबर टीम के कम्प्यूटर ऑपरेटर सेनजीत निषाद, आरक्षी अजीत यादव, आरक्षी मृत्युंजय गुप्ता तथा महिला आरक्षी शैल कुमारी की अहम भूमिका रही।

कार बाइक सवार हमलावरों ने टैंपो रोककर किया हमला

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलंदशहर। स्याना कोतवाली पर ग्राम देहरा निवासी सौरभ की तहरीर पर ग्राम नया बांस माजरा साहनपुर निवासीगण विपिन, सतेन्द्र, हरीश, नितिन, अंकित, अक्षय, दीपक तथा अंकित के विरुद्ध बीएनएस की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना एसआई हरि सिंह को सौंपी गई है। सौरभ ने पुलिस को दी तहरीर में अवगत कराया कि वह गांव के ही सोनू के साथ स्याना से अपनी गाड़ी छोटा हाथी से ग्राम नया बांस होकर अपने ग्राम देहरा जा रहा था। नया बांस पहुंचते ही गाड़ी को 2 मोटरसाईकिल तथा 1 स्विफ्ट डिजायर व सैन्ट्रों गाड़ी में सवार उपरोक्त आरोपितों ने गाड़ी के आगे कार लगाकर उसका रास्ता रोक लिया। अवगत कराया है कि आरोपित उसे छोटे हाथी से उतारकर हाथों में लिए लाठी-डंडों व लोहे की राड से मारपीट करने लगे तथा सोनू के साथ भी मारपीट की गई। हमले के चलते सौरभ को गम्भीर चोट आईं। सौरभ के अनुसार शोरगुल होने पर वहां से गुजर रहे देहरा निवासीगण सचिन व जीतू तथा गांव के लोग मौके पर आए जिन्होंने उसे बचाया। अवगत कराया है कि उनमें से एक आरोपित के विरुद्ध पूर्व में कोतवाली स्याना में शिकायत कराई थी, जिसके कारण वह उससे व परिवार से रंजिश रखते हुए धमकी देता है। सौरभ ने हमले में गंभीर चोटें आने पर पुलिस सहायता नम्बर 112 पर फोन किया तथा पुलिस की गाड़ी आई। सौरभ को सरकारी अस्पताल स्याना से जिला चिकित्सालय बुलन्दशहर रेफर कर दिया गया जहां उसका इलाज चल रहा है।

अवंतिका देवी पर बना पुल बंद,अब नाव ही एक मात्र सहारा

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी/अहार/बुलंदशहर। अवंतिका देवी गंगा घाट पर बने अस्थाई पैंटून पुल को लोक निर्माण विभाग ने वहां से हटा दिया है। जिसके कारण अमरोहा से संपर्क टूट गया है।जिसके कारण हजारों किसानों और श्रद्धालुओं की परेशानी बढ गई है।अब किसानों को अपनी फसलों तक पहुंचने के लिये नाव का ही सहारा लेना पड़ेगा। वहीं अमरोहा आने जाने वाले लोगों को 30 किलोमीटर अधिक चलकर अनूपशहर व भगवानपुर पुल से जाना पड़ेगा अवंतिका देवी गंगा घाट पर यह पैंटून पुल क्षेत्रवासियों के लिए आवागमन का प्रमुख साधन था। रोजाना इस पुल से हजारों लोग साईकिल पैदल आदि वाहनों से सफर करते थे।। इस पुल के हटने के बाद श्रद्धालुओं को भी अवंतिका देवी मंदिर अंबकेश्वर महादेव सिद्ध बाबा सहित अन्य धार्मिक स्थलों तक पहुचने के लिये नाव से ही यात्रा करनी पड़ेगी। लोक निर्माण विभाग के कर्मचारियों ने बताया कि बरसात के मौसम में गंगा का जल स्तर तेजी से बढने लगता है एसे में पैंटून पुल के पीपों का बहने का खतरा रहता है जिससे किसी बढे हादहे की आशंका बनी रहती है। लोगो की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुल को हटाने का निर्णय लिया गया है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बरसात के दिनो मे इस पुल के हटने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पडता है। यदि गंगा पर स्थाई पुल का निर्माण हो जाये तो अमरोहा व बुलंदशहर के बीच आवागमनतो सुगम होगा ही व्यापार खेती व धार्मिक पर्यटन को भी लाभ होगा। स्थानीय लोगों ने बताया कि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को इस संबंध में ज्ञापन दिया जा चुका है। आश्वासन के बाद भी अभी तक स्थाई पुल का निर्माण कार्य शुरू नही हो पाया है। जेई पुनीत कुमार ने बताया कि मानसून को देखते हुए प्रत्येक वर्ष मई माह से पैंटून पुल को बंद कर दिया जाता है तथा अक्टूबर में फिर चालू कर दिया जाता है।

भाकियू टिकैत के कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में किया धरना प्रदर्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट ने किसानों के साथ सीओ शिकारपुर द्वारा किए गए अभद्र व्यवहार को लेकर सीओ शिकारपुर के कार्यालय का घेराव करने का यूनियन द्वारा ऐलान किया था लेकिन सीओ ऑफिस के घेराव की सूचना पर शिकारपुर सीओ कार्यालय को पुलिस फोर्स ने छावनी में तब्दील कर दिया और किसानों को सीओ कार्यालय से पहले ही रास्ते में रोक कर पुलिस अधिकारी और किसानों के बीच में वार्ता हुई जिसमें किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष चौधरी अरब सिंह ने बताया है कि शिकारपुर पुलिस के द्वारा गलत मुकदमा लिखा गया और उसमें अवैध वसूली की गई है धरना स्थल पर पुलिस से संबंधित मामले एसपी देहात अंतरिक्ष जैन के सामने रखे गए जिस पर एसपी देहात ने जांच कर दोषी लोगों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है धरना स्थल पर जनपद के कई थानों का पुलिस फोर्स एवं पीएसी पुलिस बल को तैनात किया गया किसानों का पुलिस के प्रति भारी आक्रोश देखने को मिला धरना स्थल पर अतिरिक्त पुलिस बल शिकारपुर में तैनात किया गया। धरना में बड़ी संख्या में भारी भीड़ एकत्रित हुई। यह धरना पूर्व ब्लॉक प्रमुख पिंटू चौधरी के किसान भवन जहांगीराबाद चुंगी से शुरू होकर सीओ ऑफिस शिकारपुर के लिए पैदल घेराव करने के लिए किसानों का जत्था निकला जिसमें भारी संख्या में विभिन्न गांव के किसान शामिल हुए। भीषण गर्मी और कड़ी धूप के बीच किसानों के धरना को पुलिस डंगमंगा ना सकी। किसान अपनी मांगों को लेकर पुलिस अधिकारियों के सामने डटे रहे। वहीं विभिन्न शिकायतों को लेकर भाकियू ने एसपी देहात को ज्ञापन सौंपा गया है। शिकारपुर तहसील अध्यक्ष लीलू प्रधान ने कहा है कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन जल्द फिर से किया जाएगा।

गंगा नदी में बढ़ते मानवीय हस्तक्षेप से मछली प्रजातियों पर संकट

केशव प्रसाद राल्ही पीजी कॉलेज एवं सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी के संयुक्त शोध में खुलासा प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका 'ECJ' में प्रकाशित हुआ शोध; अमेरिकी मीडिया संस्थान 'NewsRx' ने भी वैश्विक स्तर पर दी प्रमुखता

संदीप तिवारी

वाराणसी/भदोही(वेलकम इंडिया)। गंगा नदी के पारिस्थितिक तंत्र (Ecosystem) और मछली विविधता पर इंसानी गतिविधियों के दुष्प्रभावों को लेकर महाविद्यालय के जूलॉजी डिपार्टमेंट के विभागाध्यक्ष एवं सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी (SAM Global University) के स्कूल ऑफ साइंसेज (जूलॉजी विभाग) के रिसर्च स्कॉलर अतुल कुमार चतुर्वेदी ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण शोध कार्य पूरा किया है। डॉ. अरविंद कुमार द्विवेदी के मार्गदर्शन में किए गए इस शोध को विख्यात अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका 'Environment Conservation Journal (ECJ)' में स्थान मिला है। इस शोध की वैश्विक प्रासंगिकता को देखते हुए प्रमुख अमेरिकी मीडिया समूह NewsRx के 'Life Science Daily' ने भी 2 अप्रैल 2026 की अपनी विशेष रिपोर्ट में इसके आंकड़ों और निष्कर्षों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित किया है।शोध के मुख्य बिंदु और वैज्ञानिक निष्कर्ष: अतुल कुमार चतुर्वेदी का यह अध्ययन 'गंगा नदी के मानवजनित (Anthropogemic)

क्षेत्र में पारिस्थितिकीय गुणों का मछली विविधता पर प्रभाव का अध्ययन' विषय पर केंद्रित है। इसका मुख्य उद्देश्य यह जांचना था कि औद्योगिक अपशिष्ट, शहरी सीवेज, कृषि रसायन और अन्य कचरा किस प्रकार गंगा नदी की जल गुणवत्ता और जलीय जीवों को प्रभावित कर रहे हैं।अध्ययन के दौरान नदी के जल के विभिन्न भौतिक-रासायनिक मानकों (Physico-chemical parameters) का गहन विश्लेषण किया गया, जिसके मुख्य निष्कर्ष निम्नलिखित हैं। जल गुणवत्ता में गिरावट: नदी के विभिन्न क्षेत्रों में तापमान, स्त्रल्ल स्तर, घुलित ऑक्सीजन (DO), बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड (BOD) और टोटल डिजॉल्व्ड सॉलिड्स (TDS) के संतुलन में भारी गड़बड़ी पाई गई है।

जैव विविधता पर खतरा: बढ़ते प्रदूषण और मानवीय हस्तक्षेप के सीधे परिणामस्वरूप गंगा नदी में मछली प्रजातियों की संख्या, उनके वितरण और विविधता में तेजी से कमी आ रही है। संवेदनशील प्रजातियों का पलायन: पर्यावरण के प्रति संवेदनशील (Ecologically sensitive) कई महत्वपूर्ण स्थानीय मछली प्रजातियां अब विलुप्ति की कगार पर हैं। संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण वैज्ञानिक दस्तावेज: यह शोध कार्य न केवल गंगा नदी के गिरते स्वास्थ्य पर चिंता व्यक्त करता है, बल्कि नदी के पुनरुद्धार, पर्यावरण संरक्षण और मत्स्य संसाधन प्रबंधन (Fisheries Resource Management) के लिए नीति निमार्ताओं और वैज्ञानिकों को एक प्रामाणिक एवं ठोस डेटा प्रदान करता है। इस अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धि पर सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी के प्रबंधन, जूलॉजी विभाग के प्राध्यापकों और शोधार्थियों ने अतुल कुमार चतुर्वेदी और उनके गाइड डॉ. अरविंद कुमार द्विवेदी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी है।

सीनियर सिटीजंस की हुई विशेष बैठक, बुजुर्ग और प्रबुद्ध जन हमारे समाज की हैं नींव

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। बुजुर्ग और प्रबुद्ध जन हमारे समाज की नींव हैं। उनके अनुभव से सीखने और उनकी सेवा करने का अवसर मिलना बेहद सौभाग्य की बात है.. समाजसेवी सतीश जैन, मालिक (जैन शिकंजी) वीवीआईपी एड्रेस के सीनियर सिटीजंस की विशेष बैठकः 'जैन शिकंजी' के सतीश जैन ने की भव्य मेजबानी की। कल का दिन वीवीआईपी एड्रेस सोसाइटी के वरिष्ठ नागरिकों (सीनियर सिटीजंस) के लिए बेहद खास और यादगार रहा। सोसाइटी के बुजुर्गों के सम्मान और आपसी मेलजोल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का वेन्यू (स्थान) मशहूर 'जैन शिकंजी' का आउटलेट बना, जहाँ समाज की कई जानी-मानी और प्रतिष्ठित हस्तियों ने शिरकत की। सतीश जैन की भव्य मेजबानी ने जीता दिल इस बैठक को बेहद खास और भव्य बनाने का पूरा श्रेय 'जैन शिकंजी' के मालिक, सतीश जैन जी को जाता है। उन्होंने वीवीआईपी एड्रेस सोसाइटी के सभी वरिष्ठ नागरिकों का स्वागत बेहद आदर-सत्कार और गर्मजोशी के साथ किया। सतीश जी ने न केवल कार्यक्रम के लिए बेहतरीन व्यवस्थाएं कीं, बल्कि खुद मौजूद रहकर हर एक बुजुर्ग की सुविधा का पूरा ध्यान रखा। उनकी इस सहृदयता ने वहां मौजूद सभी लोगों का दिल जीत लिया।

समाज की प्रबुद्ध हस्तियों की रही गरिमामयी उपस्थिति इस विशेष बैठक की मुख्य विशेषता यह रही कि इसमें समाज के अलग-अलग क्षेत्रों में अपना परचम लहराने वाले कई मार्गदर्शकों और प्रबुद्ध जनों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी जेपी कश्यप जी, प्रख्यात योगाचार्य एसपी त्यागी जी और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ एडवोकेट पीपी त्यागी जी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से चार चांद लगाए।

इनके साथ ही इंजीनियरिंग कॉलेज के डीन मदन त्यागी जी, रिटायर्ड एग्जीक्यूटिव इंजीनियर अजय गुप्ता जी और फार्मास्यूटिकल डिस्ट्रीब्यूटर आमोद मित्तल जी जैसे प्रतिष्ठित बुद्धिजीवी भी इस चर्चा का हिस्सा बने और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। स्वाद और चर्चा का अनोखा संगम कार्यक्रम के दौरान जहां एक तरफ सोसाइटी के विकास, सीनियर सिटीजंस की सुख-सुविधाओं और आगामी सामाजिक कार्यों पर गंभीर चर्चा हुई, वहीं दूसरी तरफ मशहूर जैन शिकंजी और स्वादिष्ट व्यंजनों के दौर ने माहौल को खुशनुमा बना दिया। सभी प्रबुद्ध सदस्यों ने सतीश जैन जी द्वारा आयोजित इस भव्य कार्यक्रम और उनकी मेहमाननवाजी की खुले दिल से तारीफ की। 'बुजुर्ग और प्रबुद्ध जन हमारे समाज की नींव हैं। उनके अनुभव से सीखने और उनकी सेवा करने का अवसर मिलना बेहद सौभाग्य की बात है।' सतीश जैन, मालिक (जैन शिकंजी)। वरिष्ठ नागरिकों ने जताया आभार मीटिंग के समापन पर वीवीआईपी एड्रेस के सीनियर सिटीजंस ग्रुप के प्रतिनिधियों और उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने सतीश जैन जी को इस शानदार आयोजन और सम्मान के लिए धन्यवाद दिया। सदस्यों का कहना था कि ऐसे आयोजनों से न केवल आपसी जुड़ाव मजबूत होता है, बल्कि समाज को एक नई दिशा भी मिलती है। यह बैठक केवल एक औपचारिक मीटिंग न रहकर, आदर, स्वाद और अपनों के साथ का एक बेहतरीन उत्सव बन गई।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुरादनगर की अव्यवस्थाओं को लेकर किसान सभा ने सौंपा ज्ञापन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन किसान सभा के राष्ट्रीय संरक्षक सत्येंद्र त्यागी के नेतृत्व में कार्यकताओं ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुरादनगर पहुंचकर स्वास्थ्य अधिकारी भारत भूषण को विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि स्वास्थ्य केंद्र में रेबीज के इंजेक्शन समय पर नहीं लगाए जा रहे हैं तथा मरीजों से सिरिंज बाहर से मंगवाई जा रही हैं। डिलीवरी के दौरान मरीजों को दवाइयां भी बाहर से खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इसके अलावा भीषण गर्मी के बावजूद स्वास्थ्य केंद्र में पंखों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से मरीजों एवं तीमारदारों को लंबी कतारों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसान सभा पदाधिकारियों ने स्वास्थ्य केंद्र परिसर में जलभराव की समस्या पर भी नाराजगी जताते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में मरीज ठीक होने के बजाय नई बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि रात्रि के समय स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की उपलब्धता नहीं रहती, जिससे आपातकालीन मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सत्येंद्र त्यागी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो भारतीय किसान यूनियन किसान सभा द्वारा अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग की होगी। ज्ञापन देने वालों में प्रदेश महासचिव हैप्पी त्यागी, पश्चिम प्रदेश महासचिव रोहित त्यागी, एनसीआर अध्यक्ष आकाश त्यागी, युवा जिला अध्यक्ष रोहित चौधरी, हरिओम त्यागी, अमरीश त्यागी, गौरव कुमार, बिट्टू त्यागी, सैंकी त्यागी, बृजभूषण, नरेंद्र त्यागी, गोलू त्यागी, सुनील त्यागी, गौरव चौधरी, राजन यादव सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रेडियोलॉजिस्ट्स की वार्षिक गोष्ठी 'जी एस बाथला मिड-टर्म सी.एम.ई.' का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश के रेडियोलॉजिस्ट्स की वार्षिक गोष्ठी 'जी एस बाथला मिड-टर्म सी.एम.ई.' इस वर्ष मेरठ में बीते शनिवार-रविवार को सम्पन्न हुई। इस गोष्ठी में प्रदेश के नामी रेडियोलॉजिस्ट्स सम्मिलित हुए। अपने शहर मोदीनगर से प्रतिष्ठित रेडियोलॉजिस्ट डॉ प्राची सिंहल को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। उन्होंने 'अर्ली फीटल इको' जो गर्भावस्था के तीसरे महीने में भ्रूण के हृदय की जाँच होती है उस विषय पर अपने केसेस प्रस्तुत किए। गर्भ के तीसरे माह में भ्रूण के हृदय का आकार 1सेंटीमीटर से कम होता है। जिसकी अल्ट्रासाउंड से जांच व उसमे मौजूद किसी विकृति का पता लगाना एक मुश्किल टेस्ट है और डॉ प्राची ने इसमें दक्षता प्राप्त की है। उनके द्वारा डायग्नोज किए गए कठिन केसस को सीएमई में बहुत सराहा गया और उन्हें स्मृति चिह्न प्रदान कर के सम्मानित किया गया। डॉ प्राची सिंहल पूर्व में भी अपने व्याख्यानों के माध्यम से प्रदेश में चर्चित रहीं हैं व उनके कार्य को सतत मान सम्मान और पहचान मिल रही है।

डॉ के एन मोदी कॉलेज के बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों का सम्मान समारोह का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज के बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लगभग 150 छात्रों को उनके अभिभावकों के साथ डॉक्टर के एन मोदी यूनिवर्सिटी के ऑडिटोरियम में आयोजित एक भव्य सम्मान समारोह में प्रमाण पत्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ के एन मोदी यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति और डॉ के एन मोदी फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ) डीके मोदी रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष बोर्ड परीक्षा में इंटर व हाई स्कूल के दो-दो छात्रों ने जनपद में टॉप स्थान बनाकर विद्यालय ही नहीं शहर का नाम रोशन किया है। इसके अतिरिक्त हाई स्कूल व इंटर में 75% तक अंक पाने वाले छात्रों को और उनके अभिभावकों के साथ प्रतीक चिन्ह, प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।डॉक्टर के एन मोदी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर ,डॉ के एन मोदी फाउंडेशन के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ दीपांकर शर्मा व प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल ने सभी छात्रों को प्रमाण पत्र शील्ड देकर सम्मानित किया विद्यालय के अध्यक्ष डॉ डी के मोदी ने अपने संदेश में कहा कि यदि छात्र समर्पण अनुशासन सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास से पूरी मेहनत करेगा तो वह एक दिन अवश्य सफल होगा। डॉ एस सी अग्रवाल ने छात्रों ओर उनके अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र सदैव ऊँचे सपने देखें फिर उनको पूरी लगन समर्पण परिश्रम के साथ पूरा करने का प्रयास जारी रखें यदि हौसले बुलंद हो एक दिन सफलता अवश्य मिलेगी।

सफलता संसाधनों की मोहताज नहीं होती बस दृढ़ आत्मविश्वास सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते रहें ,सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं बस मेहनत ही एक मंत्र है ।उन्होंने यह भी कहा कि मेधावियों को सार्वजनिक सम्मान होने से उनका मनोबल बढ़ता है और भी भविष्य में और बेहतर करने के लिए प्रेरित होते हैं। विद्यालय में पढ़ने वाला छात्र कक्षा 6 में प्रवेश लेकर उच्च शिक्षा के प्रत्येक क्षेत्र में इसी संस्थान में अध्ययन कर सकता है।इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य और उपस्थित शिक्षकों ने यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर पी एन श्रीनिकेश महोदय को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य और राजकुमार सिंह राजीवकुमार वर्मा प्रवीण जेनर संजीव कुमार अन्य सभी शिक्षकों को भी डॉक्टर के एन मोदी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर पी एन श्रीनिकेश ने सभी को सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी राजकुमार सिंह , प्रवीण जेनर, संजीव कुमार चौधरी , राजीव कुमार वर्मा, राजीव जांगिड़ गौरव त्यागी खेल प्रशिक्षक राजीव सिंह आदि उपस्थित थे।

ऑपरेशन कन्विक्शन की बड़ी कामयाबी: पॉक्सो केस में दोषी को 20 वर्ष का सश्रम कारावास व 50,000 अर्थदण्ड

श्री सतीश कुमार शर्मा विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो) | म0मु0आ0 उषा पैरोकार कन्विक्शन सेल | उ0नि0 श्री सतीश चन्द पैरोकार थाना अंकुर विहार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन कन्विक्शन' के अंतर्गत प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरूप एक गंभीर पॉक्सो प्रकरण में दोषी को कठोर सजा दिलाई गई है। पुलिस आयुक्त गाजियाबाद के निर्देशन में गठित 'कन्विक्शन सेल' एवं विवेचना अधिकारी तथा अभियोजन पक्ष के समन्वित प्रयासों से अभियोजन को सफलता प्राप्त हुई। थाना अंकुर विहार में पंजीकृत मामले की विवेचना निरीक्षक द्वारा साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष एवं प्रभावी रूप से पूर्ण की गई तथा कन्विक्शन सेल के साथ निरंतर समन्वय स्थापित किया गया। विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो) द्वारा न्यायालय में सशक्त पैरवी की गई। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) कोर्ट संख्या-02, गाजियाबाद द्वारा अभियुक्त को धारा 6 पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत 20 वर्ष का सश्रम कारावास तथा 50,000 के अर्थदण्ड की सजा सुनाई गई। अभियुक्त द्वारा वर्ष 2023 में नाबालिग पीड़िता को बहलाकर ले जाकर दुष्कर्म करने की घटना के संबंध में थाना अंकुर विहार पर अभियोग पंजीकृत किया गया था। कन्विक्शन सेल की प्रभावी मॉनिटरिंग और पुलिस की मजबूत पैरवी के चलते यह महत्वपूर्ण निर्णय आया, जिसे कानून व्यवस्था के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

आईफा में ग्रीष्मकालीन कला कार्यशाला का हुआ भव्य शुभारंभ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। आईफा में राज्य ललित कला अकादमी द्वारा ग्रीष्मकालीन कला कार्यशाला का भव्य शुभारंभ किया गया। इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स, मोदीनगर संस्थान में राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश (संस्कृत विभाग उ.प्र.) एवं इंस्टीट्यूट आफ फाइन आर्ट्स, मोदीनगर के संयुक्त तत्वाधान में 20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कला कार्यशाला 2026- 27 उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ अरुण त्यागी(प्रिंसिपल, डायरेक्टर छाया पब्लिक स्कूल मोदीनगर) विशिष्ट अतिथि अमित कुमार(समकालीन कलाकार दिल्ली) श्रीमती गुरमीत कौर (वाइस प्रिंसिपल दयावती मोदी स्कूल) एवं डॉ संगीता शर्मा(प्रिंसिपल पी.वी.एस गर्ल्स इंटर कॉलेज) ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस कला कार्यशाला में लगभग 150 कलाकार ने लिया ` यह कला कार्यशाला 26 मई से 17 मई तक प्रातः 10:00 बजे से 12:00 तक संचालित रहेगी। इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स के प्रबंधक डॉ. संघर्ष शर्मा ने बताया कि इस कला कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों, युवाओं एवं कला प्रेमियों की रचनात्मक क्षमता को विकसित करना तथा उन्हें भारतीय कला एवं आधुनिक चित्रकला की विभिन्न विधाओं से परिचित कराना है।

इस कला कार्यशाला में प्रतिभागियों को अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा चित्रकला की विभिन्न विधाओं, प्रशिक्षण एवं व्यवसायिक एवं तकनीकी ज्ञान प्रदान किया जाएगा। इस कला कार्यशाला की कोऑर्डिनेटर डॉ रूचि विद्यार्थी ने कार्यशाला में आए में सभी विद्यार्थियों उनके माता-पिता एवं अभिभावक, कला प्रेमियों का आभार प्रकट किया।

कार्यशाला को सुचारू रूप से प्रारंभ करने में संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी भौतेंद्र कुमार, अमित कुमार बंसल, प्रीति शर्मा, दीपांशु, प्रशांत झा, स्वीटी, अंजलि, पलक अत्रेय, अक्षिता वर्मा, शीतल, आभा शर्मा आदि का भरपूर सहयोग रहा।

साहिबाबाद क्षेत्र में अवैध निर्माणों पर जीडीए का कड़ा एक्शन, ध्वस्तीकरण एवं सीलिंग की कार्यवाही से मचा हड़कंप

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। उपाध्यक्ष के निर्देशों के क्रम में अवैध निर्माण एवं अवैध कालोनियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत आज दिनांक 26.05.2026 को प्रवर्तन जोन-07 द्वारा साहिबाबाद क्षेत्र में सख्त कार्रवाई की गई। प्रभारी प्रवर्तन जोन-07 के नेतृत्व में भूखण्ड सं0-7, श्याम पार्क मेन, साहिबाबाद पर किए गए अवैध अतिरिक्त तल के निर्माण को ध्वस्त किया गया। वहीं भूखण्ड सं0-8, श्याम पार्क मेन, साहिबाबाद पर बिना स्वीकृत मानचित्र के किए गए निर्माण एवं चल रही व्यवसायिक गतिविधियों को मौके पर ही सील कर दिया गया।

कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-07 का समस्त स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल एवं प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा। पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण एवं नियमानुसार संपन्न हुई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध निमार्णों के विरुद्ध यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा किसी भी प्रकार के अनधिकृत निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा।

इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस और बैंक ऑफ बड़ौदा की नई शाखा का गाज़ियाबाद में शुभारंभ, क्षेत्र को मिलेंगी बेहतर वित्तीय सेवाएं

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाज़ियाबाद में इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस एवं बैंक ऑफ बड़ौदा के सहयोग से नई शाखा का भव्य शुभारंभ किया गया। यह समारोह डी-16, द्वितीय तल, आरडीसी, गाज़ियाबाद स्थित कार्यालय में गरिमामयी वातावरण के बीच आयोजित हुआ, जिसमें कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और सहयोगियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में हेड ऑफ एजेंसी महेंद्र सिंह चौहान, जोनल हेड राहुल कंचन तथा एरिया बिजनेस हेड शिव सिंह की भूमिका की विशेष सराहना की गई। वक्ताओं ने उनके नेतृत्व और दूरदर्शी सोच को संस्था की निरंतर प्रगति का आधार बताया।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व विधायक के. के. शर्मा, शहर विधायक संजीव शर्मा तथा पूर्व विधायक प्रत्याशी प्रदीप पाठक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने नई शाखा को क्षेत्र के विकास और बेहतर वित्तीय सेवाओं की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर संस्था के प्रबंधकों हिमांशु गुप्ता, अल्पना चौधरी, विश्व मोहन त्रिपाठी एवं मोनिका राठौर के समर्पण और टीम भावना की भी सराहना की गई। कार्यक्रम के दौरान नई शाखा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया गया कि यह केंद्र आने वाले समय में सफलता, प्रगति और समृद्धि के नए आयाम स्थापित करेगा तथा क्षेत्र के लोगों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराएगा।

इंदिरापुरम में पुलिस-बदमाश मुठभेड़: स्नैचिंग आरोपी के पैर में लगी गोली, चोरी के दो आईफोन और तमंचा बरामद

कपिल चौहान

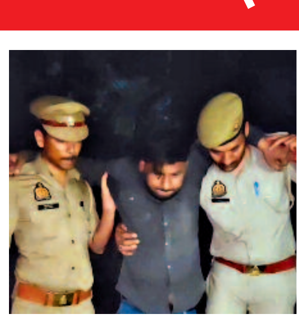

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में स्नैचिंग और चोरी की घटनाओं में शामिल एक आरोपी पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस के मुताबिक, 25/26 मई की रात इंदिरापुरम थाना पुलिस टीम स्नैचिंग और चोरी की घटनाओं की रोकथाम के लिए नॉर्थ इंडिया मॉल के पीछे नोएडा जाने वाले मार्ग पर चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान नोएडा की ओर से बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर एक युवक गलत दिशा से आता दिखाई दिया। पुलिस द्वारा रुकने का इशारा किए जाने पर आरोपी भागने लगा। पीछा करने के दौरान उसकी मोटरसाइकिल फिसलकर सड़क पर गिर गई। पुलिस का कहना है कि घिरने पर आरोपी ने अवैध तमंचे से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी और उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान इरशाद उर्फ मिच्चू पुत्र इदरीश, निवासी प्रेमनगर, लोनी, गाजियाबाद के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस, चोरी के दो आईफोन तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

गुरुनानक पुरा में भाजपा बूथ अध्यक्षों की हुई बैठक

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गुरुनानक पुरा में शक्ति केन्द्र संयोजक संजीव गुलाटी के आवास पर एक बूथ अध्यक्षों के साथ बैठक हुई। भाजपा की वरिष्ठ नेत्री प्रभारी डॉक्टर अनिला आर्य ने बताया कि 2027 में विधानसभा के चुनाव अपेक्षित हैं। अतः संगठन चाहता है कि वह सबसे निचली इकाई पन्ना प्रमुख से बूथ समीति, बूथ अध्यक्ष को सशक्त बनाते हुए ऊपर के संगठन का सुचारु संचालन हो।संगठन की सुदृढ़ता ही सत्ता के द्वार को खोलता है। उन्होंने बैठक में कहा हमें अपने को सावधान की स्थिति में रखकर आगामी चुनाव में कमल चुनाव चिन्ह को खिलाना है। इसके लिये अपनी बूथ समीति के गठन के साथ नयी मतदाता सूची के अनुसार पन्ना प्रमुख निश्चित करने हैं। बैठक में गरिमामयी उपस्थिति संजीव गुलाटी,धर्मपाल शर्मा , दीपक, अंकित कंसल ,करुणा गुलाटी तथा डाक्टर अनिला सिंह आर्य आदि की रही।

भीषण गर्मी से राहत: ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को मिले एसी हेलमेट, चौराहों पर ओआरएस-पानी की व्यवस्था

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। लगातार बढ़ती गर्मी और 45 से 46 डिग्री तक पहुंचते तापमान के बीच सड़कों पर ड्यूटी दे रहे यातायात पुलिसकर्मियों को बड़ी राहत मिली है। तपती धूप और लू से बचाने के लिए एडिशनल सीपी ट्रैफिक राज कुमार नैयर ने मंगलवार को ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को एसी हेलमेट वितरित किए।

क्यों पड़ी जरूरत

शहर में गर्मी ने पिछले कई सालों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। दोपहर में सड़क का तापमान 50 डिग्री के पार पहुंच रहा है। ऐसे में चौराहों पर 8-10 घंटे खड़े होकर ड्यूटी करने वाले ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और चक्कर जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। कई जवानों की तबीयत भी बिगड़ चुकी थी।

चौराहों पर ओआरएस और पानी

इसके साथ ही सभी प्रमुख चौराहों पर पीने के पानी के कैंपर और ओआरएस के पैकेट भी रखवाए गए हैं। ट्रैफिक इंस्पेक्टर को निर्देश दिए गए हैं कि हर 2 घंटे में जवानों को पानी पीने और छांव में कुछ देर आराम करने के लिए बोला जाए। हापुड़ रोड, मेरठ तिराहा, नया बस अड्डा, मोहन नगर, डीपीएस कट जैसे व्यस्त चौराहों पर यह व्यवस्था शुरू कर दी गई है।

एसी हेलमेट की खासियत

एडिशनल सीपी राज कुमार नैयर ने बताया कि ये हेलमेट सामान्य हेलमेट से अलग हैं। इसमें छोटा पंखा और बैटरी लगी है, जो चार्ज करने पर 6 से 8 घंटे तक ठंडी हवा देती है। हेलमेट का वजन भी हल्का रखा गया है ताकि ड्यूटी के दौरान परेशानी न हो। इससे पुलिसकर्मियों का सिर और चेहरा लू की चपेट में आने से बचेगा। उन्होंने कहा, यातायात पुलिसकर्मी तपती गर्मी में खड़े होकर वाहन चालकों को सुरक्षित रखते हैं और यातायात नियमों का पालन कराते हैं। उनकी सेहत हमारी जिम्मेदारी है। इसलिए पहले चरण में 50 एसी हेलमेट वितरित किए गए हैं। जल्द ही सभी पॉइंट्स पर तैनात कर्मियों को ये उपलब्ध कराए जाएंगे।

पुलिसकर्मियों में खुशी

एसी हेलमेट मिलने के बाद ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के चेहरे खिल उठे। हेड कांस्टेबल अनिल कुमार ने बताया, दोपहर में ड्यूटी करना बहुत मुश्किल था। वर्दी पसीने से तर हो जाती थी। अब इस हेलमेट से काफी राहत मिलेगी। अधिकारियों का कहना है कि गर्मी के सीजन में पुलिसकर्मियों की सेहत को देखते हुए आगे भी ऐसे कदम उठाए जाते रहेंगे, ताकि वे बेहतर तरीके से अपनी ड्यूटी निभा सकें।

गुलमोहर एनक्लेव सोसायटी आरडब्लूए की मनमानी, बंद किया सोसायटी का तीसरा गेट

फायर इमरजेंसी में पैदा हो सकती है बड़ी समस्या

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एन्क्लेव सोसाइटी आरडब्लूए का मनमाना रवैया लगातार जारी है। आरडब्लूए की उपाध्यक्ष सीमा गुप्ता और सचिव ए के दोहरे ने सोसायटी के गेट नम्बर 3 को बंद करवा दिया है। जिससे सोसायटी के बाकि दो गेटों पर ट्रैफिक लोड बढ़ गया है। इसके साथ ही तीसरा गेट बंद होने और बाकि दो गेटों पर ट्रैफिक बढ़ने के कारण फायर इमरजेंसी में अनहोनी की आशंका बढ़ गई है। इस मामले में सोसायटी के ही रहने वाले गौरव बंसल ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, जीडीए के उपाध्यक्ष, कमिश्नर गाजियाबाद, चीफ फायर ऑफिसर,जिलाधिकारी गाजियाबाद और नगर आयुक्त से शिकायत की है।

शिकायती पत्र में गौरव ने बताया है कि जिस समय सोसायटी बनाई गई थी उसी समय बिल्डर ने इसमें तीन गेट बनाये गए थे। हाल ही में आरडब्लूए उपाध्यक्ष सीमा गुप्ता और सचिव ए के दोहरे ने गेट नम्बर 3 बंद करवा दिया है।

गौरव का आरोप है कि कमीशनखोरी के कारण बिना आवश्यकता के सोसायटी के गेटों पर मोटी रकम खर्च कर बूम बैरियर लगवा दिये गए हैं। तीनों गेट सुचारू रूप से चालू न होने के कारण दोनों गेटों पर ट्रैफिक लोड बढ़ गया है और फायर इमरजेंसी में खतरा बढ़ने की सम्भवना भी ज्यादा है।

गौरव ने जिलाधिकारी से सोसायटी के तीनों गेट चालू करवाने की मांग की है। उन्होंने सोसायटी में कोई भी हादसा होने पर आरडब्लूए की जिम्मेदारी की बात भी पत्र में कही है।

जिलाधिकारी की नई पहल, मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल बनेंगी स्वरोजगार का सहारा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। दिवजनों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन ने एक अभिनव पहल शुरू की है। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के नेतृत्व में अब जनपद के दिव्यांगजनों को 'चलती-फिरती दुकानें' उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे वे स्वरोजगार के माध्यम से अपनी आजीविका चला सकेंगे। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने बताया कि दिव्यांगजनों को रोजगार से जोड़ना और उन्हें समाज में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ाना जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी सोच के तहत यह नई योजना शुरू की जा रही है, ताकि दिव्यांगजन किसी पर निर्भर रहने के बजाय स्वयं का रोजगार संचालित कर सकें। योजना के अंतर्गत सीएसआर फंड के माध्यम से विशेष प्रकार की मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई जाएंगी।

इन ट्राईसाइकिलों को मजबूत लोहे के स्टैंड और आवश्यक ढांचे के साथ एक छोटी चलती-फिरती दुकान का स्वरूप दिया जाएगा। इससे दिव्यांगजन आसानी से विभिन्न स्थानों पर जाकर अपना व्यापार कर सकेंगे। इन मोबाइल दुकानों के जरिए दिव्यांगजन स्कूलों, कॉलेजों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर कॉपी-किताब, स्टेशनरी सामग्री, चिप्स, बिस्किट तथा दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुओं की बिक्री कर सकेंगे। प्रशासन का मानना है कि इससे न केवल दिव्यांगजनों को स्थायी रोजगार मिलेगा, बल्कि उनके आत्मसम्मान और आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने कहा कि जिला प्रशासन भविष्य में भी दिव्यांगजनों के हित में इसी प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ाता रहेगा। उन्होंने बताया कि इस पहल में नीवशक्ति संस्थान द्वारा भी महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया जा रहा है। संस्था दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभा रही है। जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि अधिक से अधिक दिव्यांगजन इस योजना से जुड़कर अपने जीवनयापन के लिए स्थायी रोजगार प्राप्त करें और समाज में सम्मानपूर्वक आत्मनिर्भर जीवन जी सकें।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं नीवशक्ति संस्थान के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बकरीद पर शांति और सौहार्द बनाए रखने को प्रशासन अलर्ट, ड्रोन और सीसीटीवी से होगी निगरानी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आगामी ईद-उल-जुहा (बकरीद) पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में जिला स्तरीय पीस कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता जिलाधिकारी रवींद्र कुमार माँदड़ और अपर पुलिस आयुक्त (लॉ एंड ऑर्डर) राजकरन नैय्यर ने की।

बैठक में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम, चिकित्सा, विद्युत, अग्निशमन, पंचायती राज और नगरीय निकाय विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। इसके साथ ही उद्योग मंडल, व्यापार मंडल के पदाधिकारी, विभिन्न मस्जिदों के इमाम, धर्मगुरु और शहर के गणमान्य नागरिक भी शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी रवींद्र कुमार माँदड़ ने कहा कि गाजियाबाद हमेशा से आपसी भाईचारे और सौहार्द की मिसाल रहा है। उन्होंने सभी धर्मगुरुओं और नागरिकों से अपील की कि बकरीद का त्योहार पूरी शांति और भाईचारे के साथ मनाया जाए तथा शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कुबार्नी की रस्म किसी भी सार्वजनिक स्थान या खुले क्षेत्र में नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी लोग इस बात का विशेष ध्यान रखें कि किसी भी समुदाय की भावनाएं आहत न हों और त्योहार का माहौल सौहार्दपूर्ण बना रहे। अपर पुलिस आयुक्त राज करन नैय्यर ने कहा कि त्योहार के दौरान जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा और ड्रोन तथा सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति भ्रामक, आपत्तिजनक या माहौल बिगाड़ने वाली पोस्ट, फोटो अथवा वीडियो साझा न करे। यदि कोई व्यक्ति सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करता पाया गया, तो उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में नगर निगम और संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए कि ईदगाहों और प्रमुख मस्जिदों के आसपास विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया जाए। वहां शुद्ध पेयजल, मोबाइल टॉयलेट, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके अलावा कुबार्नी के बाद पशुओं के अवशेषों के उचित निस्तारण को लेकर भी प्रशासन ने विशेष तैयारी के निर्देश दिए। नगर निगम को कहा गया कि अवशेषों को सार्वजनिक स्थानों, सड़कों और नालियों में फेंके जाने से रोकने के लिए पर्याप्त व्यवस्था समय रहते सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी रवींद्र कुमार माँदड़ ने विद्युत विभाग को त्योहार के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए। वहीं नगर निगम और अन्य विभागों को साफ-सफाई और पेयजल व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने को कहा गया। बैठक के दौरान उपस्थित धर्मगुरुओं और गणमान्य नागरिकों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया। सभी ने मिलकर बकरीद का पर्व शांति, भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने की प्रतिबद्धता जताई। प्रशासन ने भी स्पष्ट किया कि त्योहार के दौरान हर स्थिति पर नजर रखी जाएगी और नागरिकों की सुरक्षा तथा सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

जनगणना कार्य में लापरवाही पर डीएम सख्त, एफआईआर दर्ज कराने के दिए निर्देश

मोबाइल एप से कार्य शुरू न करने वाले प्रगणकों पर होगी कार्रवाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जनगणना-2027 के तहत जनपद में चल रहे मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने कड़ा रुख अपनाया है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनगणना कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में जनगणना-2027 के अंतर्गत 22 मई से 20 जून 2026 तक चलने वाले मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (एचएलओ) कार्य की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी चार्ज अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनगणना निदेशालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य को पूरी पारदर्शिता, गुणवत्ता और निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा कराया जाए।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने बताया कि सभी प्रगणकों और सुपरवाइजर्स को उनके प्रगणक ब्लॉक आवंटित किए जा चुके हैं तथा 22 मई से संबंधित क्षेत्रों में कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। बावजूद इसके कार्य की गति अपेक्षा के अनुरूप नहीं पाई गई, जिस पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सभी चार्ज अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन प्रगणकों ने अब तक मोबाइल एप के माध्यम से कार्य शुरू नहीं किया है, उनसे तत्काल शत-प्रतिशत कार्य प्रारंभ कराया जाए। साथ ही जो प्रगणक और सुपरवाइजर कार्य में लापरवाही बरत रहे हैं या अनुपस्थित पाए जा रहे हैं, उनके खिलाफ जनगणना अधिनियम-1948 की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना कार्य राष्ट्रीय महत्व का कार्य है और इसमें नियुक्त सभी अधिकारी एवं कर्मचारी जनगणना अधिनियम-1948 की धारा-4 और 11 के अंतर्गत लोक सेवक की श्रेणी में आते हैं। ऐसे में जनगणना कार्य में सहयोग करना उनका कानूनी दायित्व है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई कर्मचारी अपने कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही करता है, कार्य से इंकार करता है या शिथिलता बरतता है, तो यह दंडनीय अपराध माना जाएगा।

ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने पर एक हजार रुपये तक के जुमार्ने और तीन वर्ष तक के कारावास का प्रावधान है। बैठक में जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) अंजनी कुमार सिंह सहित सभी चार्ज अधिकारी और संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

महंगाई की रफ्तार बेकाबू, दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी हुई और महंगी

लगातार चौथी बढ़ोतरी से वाहन चालकों पर बढ़ा आर्थिक बोझ, ₹6 प्रति किलो तक बढ़े दाम

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। दिल्ली-एनसीआर में 26/05/2026 को सीएनजी की कीमतों में एक बार फिर ₹2 प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह बढ़ोतरी क्षेत्र में सीएनजी आपूर्ति करने वाली प्रमुख कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड द्वारा लागू की गई है।

इस नए संशोधन के बाद उपभोक्ताओं पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ और बढ़ गया है। महंगाई की रफ्तार पर फिलहाल किसी भी प्रकार का नियंत्रण होता दिखाई नहीं दे रहा है, और इसका सीधा असर आम जनता की दैनिक जीवनशैली पर पड़ रहा है।

ईंधन की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी ने एक बार फिर वाहन चालकों और आम उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है। सीएनजी के दामों में यह लगातार चौथी बढ़ोतरी है, जिसमें 15, 17, 19 और 26 तारीख को क्रमशः कीमतों में संशोधन किया गया। इन सभी बढ़ोतरी को मिलाकर कुल ₹6 प्रति किलोग्राम का इजाफा दर्ज किया गया है। इससे ऑटो, टैक्सी और

कमर्शियल वाहनों के संचालन पर सीधा असर पड़ रहा है। पहले जिसे सस्ता, किफायती और पर्यावरण के अनुकूल ईंधन माना जाता था, वही सीएनजी अब धीरे-धीरे पेट्रोल और डीजल के विकल्प के बराबर पहुंचती नजर आ रही है। लगातार बढ़ती कीमतों के कारण वाहन चालकों की लागत में वृद्धि हो रही है, जिसका सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ना तय माना जा रहा है। परिवहन क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि यदि इसी प्रकार ईंधन की कीमतों में वृद्धि जारी रही, तो आने वाले दिनों में सीएनजी आधारित ऑटो, बसों और अन्य कमर्शियल वाहनों के किराए में बढ़ोतरी होना लगभग तय है। इससे दैनिक यात्रियों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ेगा। कुल मिलाकर, सीएनजी की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी ने एक बार फिर महंगाई के बोझ को बढ़ा दिया है, जिससे आम जनता की आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक असर पड़ने की आशंका गहराती जा रही है।

मानवता की मिसाल बना रेडक्रॉस रक्तदान शिविर, पुलिस लाइन अस्पताल में 12 यूनिट रक्तदान सम्पन्न

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। सेवा और समर्पण की भावना को जीवंत करते हुए भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, गाजियाबाद Indian Red Cross Society के अध्यक्ष श्री रविंद्र कुमार मांदड़ की प्रेरणा से आज 26 मई को पुलिस लाइन स्थित पुलिस अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट की सहायक पुलिस आयुक्त प्रियाश्री पाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर चिकित्सालय प्रभारी डॉ. पंकज राकेश का अंगवस्त्र ओढ़ाकर तथा रेड क्रॉस स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

सहायक पुलिस आयुक्त प्रियाश्री पाल ने कहा कि मानवता को समर्पित ऐसे कार्यक्रमों में सहभागिता अत्यंत प्रेरणादायक है।

पुलिस बल द्वारा किया गया रक्तदान समाज में सकारात्मक संदेश देता है, जो दूर-दूर तक प्रभाव छोड़ता है। इस रक्तदान शिविर में कुल 12 लोगों ने सफलतापूर्वक रक्तदान किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. पंकज राकेश एवं एसीपी प्रियाश्री पाल ने रेड क्रॉस के सेवाकार्यों की

सराहना करते हुए सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह स्वरूप मग भेंट किए।

भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी गाजियाबाद के निवर्तमान सभापति रो. डॉ. सुभाष गुप्ता ने बताया कि पिछले चार वर्षों से रेड क्रॉस की टीम निरंतर सेवा कार्यों में सक्रिय रहते हुए समाजहित में कार्य कर रही है। कार्यक्रम के सफल संचालन में उप निरीक्षक जितेंद्र बालियान, आर.डी. शर्मा, एम.सी. गौड़, राकेश गुप्ता, विपिन अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, विनोद कुमार सहित डॉ. अंशुल चौधरी के नेतृत्व में जिला रक्त कोष की टीम का विशेष योगदान रहा।